twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

DD

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | गुरूवार, 29 मई, 2025 | वर्षः 12, अंकः 199, पृष्ठः 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

किसानों को मोदी सरकार का तोहफा

धान समेत 14 फसलों की एमएसपी में बढ़ोतरी, किसान क्रेडिट कार्ड पर कम ब्याज में मिलेगा लोन

नई दिल्ली
केन्द्र सरकार ने अगले विपणन सत्र के लिए 14 प्रमुख खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि को मंजूरी दे दी है। सरकार का यह निर्णय किसानों को उनकी उपज के लिए लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लिया गया है। पिछले साल के मुकाबले धान के एमएसपी में 69 रुपये, रागी में 596 रुपये, ज्वार 328 रुपये की वृद्धि की गई है। इसी तरह अरहर (तुअर) में 450 रुपये, उड़द में 400 रुपये की बढ़ोत्तरी की गई है। बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने 2025-26 के विपणन सत्र के लिए एमएसपी में वृद्धि को मंजूरी दी। सबसे अधिक वृद्धि नाइजरसीड (रामतिल), रागी, कपास, तिल (सेसमम) में क्रमशः 820, 596, 589, 579 रुपये की गई है।

क्या है एमएसपी या मिनिमम सपोर्ट प्राइस
मिनिमम सपोर्ट प्राइस यानी न्यूनतम समर्थन मूल्य वो गारंटीड मूल्य है जो किसानों को उनकी फसल पर मिलता है। भले ही बाजार में उस फसल की कीमतें कम हो। इसके पीछे तर्क यह है कि बाजार में फसलों की कीमतों में होने वाले उतार-चढ़ाव का असर किसानों पर न पड़े। उन्हें न्यूनतम कीमत मिलती रहे। सरकार हर फसल सीजन से पहले यानी कमीशन फॉर एग्रीकल्चर कॉस्ट एंड प्राइजेज की सिफारिश पर एमएसपी तय करती है। यदि किसी फसल की बम्पर पैदावार हुई है तो उसकी बाजार में कीमतें कम होती हैं, तब टरढ उनके लिए फिक्स एश्योर्ड प्राइस का काम करती है। यह एक तरह से कीमतें गिरने पर किसानों को बचाने वाली बीमा पॉलिसी की तरह काम करती है।

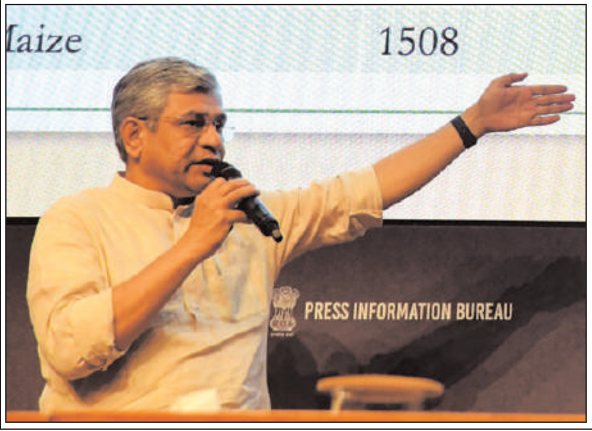

किसानों के लिए सस्ती ऋण योजना जारी रहेगी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने संशोधित ब्याज सब्सिडी योजना (एमआईएसएस) को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जारी रखने की मंजूरी दे दी है। इसका उद्देश्य किसानों को सस्ती दर पर ऋण उपलब्ध कराना है। योजना के तहत किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के माध्यम से 3 लाख रुपये तक के अल्पकालिक ऋण पर 7 प्रतिशत की रियायती ब्याज दर लागू रहेगी। इसमें सरकार 1.5 प्रतिशत ब्याज सब्सिडी देगी। वहीं, समय से ऋण चुकाने वाले किसान को 3 प्रतिशत तक की अतिरिक्त छूट दी जाएगी। इसे प्रॉम्प्ट रिपेमेंट इंसेंटिव (पीआरआई) कहा जाता है।

केंद्र ने दो मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं को दी मंजूरी

केंद्र ने महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश से जुड़ी दो मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं में दो मुख्य रेल मार्ग रतलाम से नागदा के बीच तीसरी और चौथी लाइन तथा वर्धा से बल्हारशाह के बीच चौथी रेल लाइन शामिल हैं। दोनों परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत 3,399 करोड़ रुपये है और इन्हें वर्ष 2029-30 तक पूरा किया जाना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने बुधवार को इन दो मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की। केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्वनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में आयोजित पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी दी। वैष्णव ने बताया कि इन परियोजनाओं से रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में 176 किलोमीटर की वृद्धि होगी।

784 गांवों को सीधे तौर पर लाभ मिलेगा, जिनकी कुल आबादी करीब 19.74 लाख है। इन क्षेत्रों में कनेक्टिविटी बेहतर होने से रोजगार, व्यापार और शिक्षा के अवसर बढ़ेंगे।

सरकार के अनुसार निर्माण कार्य के दौरान लगभग 74 लाख मानव-दिवस का प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। इससे स्थानीय लोगों को आजीविका के साधन भी मिलेंगे। इन परियोजनाओं से रेलगाड़ियों की गति, माल ढुलाई और यात्री परिवहन सुविधा बढ़ेगी। इसके अलावा लॉजिस्टिक लागत घटेगी, तेल आयात पर निर्भरता कम होगी और कार्बन उत्सर्जन में भी गिरावट आएगी।

अनाज में एमएसपी की वृद्धि

प्रमुख अनाजों में धान के एमएसपी को 2300 रुपये से बढ़ाकर 2369 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है, यानी 69 रुपये की वृद्धि हुई है। वहीं, उच्च गुणवत्ता वाले धान के एमएसपी में भी 69 रुपये की वृद्धि हुई है और अब इसका एमएसपी 2389 रुपये प्रति क्विंटल होगा। ज्वार की हाइब्रिड किस्म का एमएसपी 3371 रुपये से बढ़ाकर 3699 रुपये किया गया है, यानी 328 रुपये की वृद्धि हुई है। वहीं, मालदांडी किस्म का नया एमएसपी 3749 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है। बाजरा के एमएसपी 2625 रुपये से बढ़ा कर 2775 रुपये किया गया है, यानी 150 रुपये की वृद्धि हुई है। रागी में सबसे ज्यादा 596 रुपये की वृद्धि हुई है और अब इसका एमएसपी 4886 रुपये प्रति क्विंटल हो गया है। मक्का (मकई) के एमएसपी में 175 रुपये की बढ़ोत्तरी हुई है और अब यह 2400 रुपये प्रति क्विंटल मिलेगा।

दलहनों में वृद्धिः अरहर (तुअर) का एमएसपी 7550 रुपये से बढ़ा कर 8000 रुपये कर दिया गया है, यानी 450 रुपये की वृद्धि। उड़द का एमएसपी 7400 रुपये से बढ़ा कर 7800 रुपये किया गया है, यानी 400 रुपये की बढ़त। मूंग में 86 रुपये की वृद्धि हुई है और अब इसका नया एमएसपी 8768 रुपये प्रति क्विंटल होगा।

तिलहन फसलों में वृद्धिः मूंगफली के एमएसपी में 480 रुपये की वृद्धि हुई है और अब यह 7263 रुपये प्रति क्विंटल होगा। सूरजमुखी बीज में 441 रुपये की बढ़ोत्तरी के साथ नया एमएसपी 7721 रुपये तय किया गया है। सोयाबीन (पीली किस्म) का एमएसपी 4892 रुपये से बढ़कर 5328 रुपये कर दिया गया है।

स्वदेशी उत्पादों के निर्माण को मिले बढ़ावाः कैट

नई दिल्ली
भाजपा सांसद और कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विदेशी उत्पादों से परहेज करने की अपील का समर्थन और स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यह आत्मनिर्भर भारत के प्रति उनके अटूट संकल्प को दर्शाती है।

जासूसी के आरोप में जवान गिरफ्तार

नई दिल्ली
राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने दिल्ली से सीआरपीएफ जवान मोती राम जात को जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया है। उस पर पाकिस्तान के खुफिया अधिकारियों (पीआईओ) को देश की संवेदनशील और गोपनीय जानकारियां साझा करने का आरोप है।

मोदी दो दिन में करेंगे चार राज्यों का दौरा

नई दिल्ली
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अगले दो दिनों में चार राज्यों का दौरा करेंगे और कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। सिक्किम, पश्चिम बंगाल और बिहार होते हुए वे उत्तर प्रदेश आयेंगे। प्रधानमंत्री गुरुवार (29 मई) को सिक्किम का दौरा करेंगे। वे सुबह सिक्किम@50ः जहां प्रगति उद्देश्य से मिलती है और प्रकृति विकास को बढ़ावा देती है कार्यक्रम में भाग लेंगे।

असम मानवाधिकार आयोग पुलिस मुठभेड़ मामलों की करेगा जांच

नई दिल्ली
सुप्रीम कोर्ट ने असम पुलिस के खिलाफ 171 कथित फर्जी एनकाउंटर मामलों की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच के आदेश दिए हैं। जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने इस मामले को गंभीर मानते हुए असम राज्य मानवाधिकार आयोग को निर्देश दिया कि पीड़ित परिवारों से संपर्क करने के लिए सार्वजनिक नोटिस जारी करें। कोर्ट ने कहा कि कुछ घटनाएं फर्जी एनकाउंटर हो सकती हैं, जो बेहद गंभीर हैं। अगर ये साबित होता है कि ये फर्जी एनकाउंटर हैं, तो ये संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार का उल्लंघन है।

शशि थरूर के नेतृत्व में ऑल पार्टी डेलिगेशन 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत अपनी वैश्विक कूटनीतिक यात्रा के हिस्से के रूप में पनामा पहुंचा है। पनामा के दौरे पर पहुंचे कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा कि भारत अकेले शांति से जीना चाहता है, लेकिन पाकिस्तान ऐसा नहीं होने देता। उन्होंने साफ किया कि भारत युद्ध नहीं चाहता था, लेकिन आतंकवादियों को सजा दिए बिना नहीं छोड़ा जा सकता।

पाकिस्तान से सटे राज्यों में अलर्ट, आज होगी मॉक ड्रिल

नई दिल्ली
पाकिस्तान से सटे राज्यों में गुरुवार की शाम मॉक ड्रिल होगी। इनमें जम्मू-कश्मीर, गुजरात, हरियाणा और राजस्थान शामिल हैं। वहीं, पंजाब में 3 जून को ड्रिल होगी। लोगों से सतर्क रहने की अपील की गई है। इससे पहले 7 मई को देश के 244 जिलों में मॉक ड्रिल हुई थी। इसमें नागरिकों को हमले के दौरान खुद को बचाने की ट्रेनिंग दी गई। यह इसलिए किया गया ताकि युद्ध की स्थिति में लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। देश में पिछली बार ऐसी मॉक ड्रिल

1971 में हुई थी। तब भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध हुआ था। यह मॉक ड्रिल युद्ध के दौरान हुई थी। दरअसल, 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद 7 मई को भारत ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर और पाक में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की थी। सेना ने 100 आतंकियों को मार गिराया था। इसे ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया गया। इसके बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बना हुआ है। देश के 25 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 244 शहरों में 7 मई को 12 मिनट की ब्लैकआउट एक्सरसाइज की गई थी। गृह मंत्रालय ने इन शहरों को सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट के तौर पर लिस्ट किया था।

ये सामान्य प्रशासनिक जिलों से अलग थे। इसमें लोगों, कर्मचारियों, स्टूडेंट्स को आपात स्थिति में बचाव और लोगों को निकालने के तरीके समझाए गए थे। देश के कुल 259 सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट को इनके इंपोर्टेंस या सेंसिटिविटी के आधार पर 3 कैटेगरी में बांटा गया है।

तीनों सेनाओं के कमांडरों को मिले अनुशासनात्मक अधिकार

नई दिल्ली
तीनों सेनाओं के कमांडरों को उनके अधीन काम करने वाले सशस्त्र बल कर्मियों पर अब अनुशासनात्मक अधिकार मिल गए हैं। तीनों सेनाओं को संयुक्त रूप से मजबूत बनाने के लिए रक्षा मंत्रालय का एक विधेयक 2023 में संसद से पारित होने के बाद अब सरकार ने इन नियमों को राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से अधिसूचित कर दिया है, जो 27 मई से प्रभावी होंगे। दरअसल, तीनों सेनाओं को संयुक्त रूप से मजबूत करने के लिए आधुनिकीकरण और पुनर्गठन कर थिएटर कमांड बनाने की प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसी के मद्देनजर रक्षा मंत्रालय ने इस कानून के जरिये तीनों सेनाओं के कमांडरों को उनके अधीन काम करने वाले तीनों सशस्त्र बलों के सभी कर्मियों पर अनुशासनात्मक अधिकार दिए हैं। इसे इंटर-सर्विसेज ऑर्गेनाइजेशन (कमांड, कंट्रोल एंड डिसिप्लिन) बिल, 2023 का नाम दिया गया है। इसमें कहा गया है कि केंद्र सरकार एक अधिसूचना के जरिये इंटर सर्विसेज ऑर्गनाइजेशन का गठन कर सकती है। इसमें वह संयुक्त सेवा कमांड शामिल हो सकती है, जिसमें यूनिट या सेवा कर्मी शामिल हैं। तीनों सेनाओं को संयुक्त रूप से मजबूत बनाने के लिए रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने 15 मार्च 2023 को लोकसभा के मानसून सत्र में अंतर-सेवा संगठन (कमान, नियंत्रण और अनुशासन) विधेयक पेश किया था। इसके जरिए तीनों सेनाओं के कमांडरों को उनके अधीन काम करने वाले तीनों सशस्त्र बलों के सभी कर्मियों पर अनुशासनात्मक अधिकार देने की तैयारी थी।

लोकसभा से पारित होने के बाद इस कानून पर 15 अगस्त, 2023 को राष्ट्रपति की भी मुहर लगी थी। अब सरकार ने 27 मई को एक अधिसूचना जारी कर अंतर-सेवा संगठन (कमांड, नियंत्रण और अनुशासन) अधिनियम 2023 के तहत तैयार किए गए नियमों को राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से अधिसूचित किया गया है।

हिंडनबर्ग मामले में लोकपाल ने पूर्व सेबी प्रमुख बुच को दी 'क्लीन चिट'

नई दिल्ली/मुंबई
लोकपाल ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की पूर्व अध्यक्ष माधबी पुरी बुच को क्लीन चिट दे दी है। इसके साथ ही हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट में लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों को भी खारिज कर दिया। लोकपाल ने बुधवार को हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट के आधार पर पूर्व सेबी प्रमुख माधबी पुरी बुच के खिलाफ शिकायतों का निपटारा करते हुए उनपर लगे आरोपों को अप्रमाणित और तुच्छ बताया। इसके

साथ ही कहा कि ये आरोप बिना सत्यापन योग्य साक्ष्य के अनुमान पर आधारित थे। इन्हें लेकर किसी जांच की जरूरत नहीं है। भ्रष्टाचार से जुड़ी शिकायतों की जांच करने वाली संस्था ने कहा कि यह आरोप पूरी तरह से धारणा पर आधारित है और उसके समर्थन में कोई ठोस सबूत नहीं हैं। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा समेत अन्य सभी की शिकायतें मूल रूप से एक निवेश कंपनी की रिपोर्ट पर आधारित थीं। रिपोर्ट में पूरा ध्यान अदाणी समूह की कंपनियों को बेनकाब करने या जांच के घेरे में लाने पर था। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी संस्था हिंडनबर्ग रिसर्च ने 10 अगस्त, 2024 को प्रकाशित अपनी रिपोर्ट में आरोप लगाया था कि माधबी पुरी बुच और उनके पति ने कुछ विदेशी फंड्स में हिस्सेदारी रखी थी।

भारतीय सेना में गुज्जर रेजिमेंट गठित करने की मांग खारिज

नई दिल्ली
दिल्ली हाई कोर्ट ने सेना में गुर्जर रेजिमेंट का गठन करने की मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय की अध्यक्षता वाली बेंच ने ऐसी याचिका दाखिल करने पर याचिकाकर्ता को फटकार लगाते हुए कहा कि ये पूरी तरह से विभाजनकारी है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने याचिकाकर्ता को जनहित याचिका दायर करने के पहले कुछ रिसर्च करने की भी सलाह दी। यह याचिका रोहन बसोया ने दायर की थी। याचिका में कहा गया था कि बेहतरीन लड़ाकू विरासत होने के बावजूद गुर्जरों की रेजिमेंट को मान्यता नहीं दी गई जैसा कि सिख, जाट, राजपूत, गोरखा और डोगरा समुदायों को दी गई। याचिका में कहा गया था कि इतिहास में भारतीय सेना ने समुदाय आधारित रेजिमेंट को मान्यता देते हुए इसे बरकरार भी रखा है।

पीएम मोदी के दौरे को लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ ने परखीं तैयारियां

कानपुर
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 30 मई को कानपुर दौरे पर आएंगे, जहां वे हजारों करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। इस दौरान खुर्जा, ओबरा और जवाहरपुर थर्मल पावर प्लांट की पांच इकाइयों का उद्घाटन और शिलान्यास होगा, जो उत्तर प्रदेश की विद्युत आपूर्ति को मजबूत करेगा। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) मैदान में पीएम मोदी विशाल जनसभा को भी संबोधित करेंगे। इस दौरे से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को जनसभा स्थल का निरीक्षण किया और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर तैयारियों को अंतिम रूप दिया।

सीएम योगी ने दिए स्वच्छता और सुरक्षा के निर्देश
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कानपुर पहुंचकर सीएसए मैदान में जनसभा स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने संयुक्त आयुक्त उद्योग के सभागार में जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह द्वारा प्रस्तुत तैयारियों के प्रस्तुतीकरण की समीक्षा की। सीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि 30 मई को होने वाले कार्यक्रम में पार्किंग, पेयजल, स्वच्छता और यूरिनल जैसी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने सड़कों को साफ-सुथरा रखने और झाड़ियों को हटाने के लिए विशेष स्वच्छता अभियान चलाने का आदेश दिया। साथ ही, ट्रैफिक जाम से बचने के लिए सुव्यवस्थित यातायात और पार्किंग प्लान तैयार करने पर जोर दिया।

खुर्जा, ओबरा और जवाहरपुर थर्मल पावर प्लांट का लोकार्पण
मोदी के दौरे के दौरान खुर्जा सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट (1320 मेगावाट, बुलंदशहर), ओबरा थर्मल पावर स्टेशन और जवाहरपुर थर्मल पावर स्टेशन (1320 मेगावाट, एटा) की पांच इकाइयों का लोकार्पण और शिलान्यास होगा। शुरू होने से उत्तर प्रदेश में बिजली की उपलब्धता बढ़ेगी, जिससे औद्योगिक और घरेलू जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी।

बुलंदशहर में स्थित खुर्जा सुपर थर्मल पावर प्लांट 1320 मेगावाट की क्षमता वाला कोयला आधारित सुपरक्रिटिकल पावर प्लांट है जो टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड द्वारा संचालित है। वहीं, सोनभद्र में 1660 मेगावाट की क्षमता वाला ओबरा थर्मल पावर स्टेशन उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड के अंतर्गत आता है। जबकि एटा में 1320 मेगावाट की थर्मल पावर स्टेशन जवाहरपुर विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड द्वारा संचालित है।

महाराष्ट्र में मानसून से पहले की बारिश से 35,000 हेक्टेयर फसलें बर्बाद, आठ लोगों की मौत

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र में पिछले कुछ दिनों के दौरान मानसून के पहले की बारिश ने कहर बरपाया है और कृषि और संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचा है। बुधवार को जारी आधिकारिक रिपोर्टों के अनुसार, लगभग 35,000 हेक्टेयर में फैली खड़ी फसलें, सब्जियां और बाग प्रभावित हुए हैं। इसके अलावा, कई घरों, मवेशियों के शेड और गोदामों को भी भारी नुकसान हुआ है। बिजली गिरने, डूबने, घर गिरने और पेड़ गिरने की घटनाओं में आठ लोगों की जान चली गई और दो अन्य घायल हुए हैं।

प्रतिकूल मौसम के कारण राज्य भर में आठ जानवरों की भी मौत हुयी है। किसानों ने कहा है कि बारिश ने विशेष रूप से कपास और सोयाबीन की बुवाई से पहले की गतिविधियों को रोक दिया है। अरब सागर पर कम दबाव का क्षेत्र विकसित होने के कारण, राज्य में पिछले 72-48 घंटों से लगातार बारिश हो रही है।

अधिकारियों ने कहा है कि सभी प्रभावित परिवारों को राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) के दिशा-निर्देशों के अनुसार वित्तीय सहायता मिलेगी। राज्य के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने अधिकारियों को नुकसान का व्यापक सर्वेक्षण (पंचनामा) करने का निर्देश दिया है, ताकि एनडीआरएफ से समय पर राहत सुनिश्चित हो सके। आगे की आपात स्थितियों की आशंका को देखते हुए, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया

बल की 18 टीमों को पूरे महाराष्ट्र में रणनीतिक रूप से तैनात किया गया है। तीन टीमें मुंबई में तैनात हैं, जबकि पालघर, नागपुर, पुणे, रायगढ़, ठाणे, रत्नागिरी, सतारा, सांगली, कोल्हापुर और सिंधुदुर्ग में अतिरिक्त इकाइयाँ तैनात हैं। राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल ने भी राहत और बचाव कार्यों में सहायता के लिए विभिन्न जिलों में छह टीमों को तैनात किया है। सार्वजनिक सुरक्षा को बढ़ाने के लिए राज्य के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ ने 26 और 27 मई को शॉर्ट मैसेज सर्विस (एसएमएस) अलर्ट के माध्यम से भारी वर्षा और बिजली गिरने के बारे में 52 प्रारंभिक चेतावनियाँ जारी कीं, जो दो दिनों में अनुमानित 1920 लाख लोगों तक पहुँचीं। विकसित स्थिति की निगरानी और प्रतिक्रिया प्रयासों के समन्वय के लिए राज्य मंत्रालय में एक 24-घंटे नियंत्रण कक्ष चालू रहता है।

अमृतसर में हेरोइन और हथियार के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी

अमृतसर। पंजाब में नशीली दवाओं और अवैध हथियार तस्करी नेटवर्क पर एक बड़ी कार्रवाई में, एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ), बॉर्डर रेंज अमृतसर ने तीन ड्रग तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से हेरोइन, हथियार और गोला बारूद बरामद किया है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बुधवार को बताया कि गिरफ्तार तस्करों की पहचान मनिंदरजीत सिंह, पीटर और लवजीत सिंह उर्फ राजा के रूप मे हुई है, जिन्हें अटारी रोड, अमृतसर में शंकर ढाबा के पास से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उनके पास से चार पीएक्स फाइव स्टॉर्म पिस्तौल, 521 ग्राम हेरोइन, सात

मैगजीन और 55 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। श्री यादव ने कहा कि इस संबंध में नारकोटिक्स ड्रग्स और साइकोट्रोपिक पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम और आर्म्स एक्ट के तहत एएनटीएफ, एस ए एस नगर में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। एएनटीएफ पूरे नेटवर्क को खत्म करने के लिए सक्रिय रूप से आगे बढ़ा रहा है।

भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में भूकंप के हल्के झटके

इंफाल। देश के पूर्वोत्तर राज्यों में बुधवार को भूकंप के हल्के झटके महसूस किये गये। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार पूर्वोत्तर के राज्यों में भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। भूकंप के झटके मणिपुर,

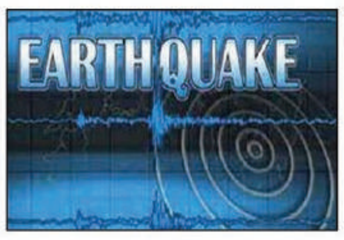

नागालैंड, असम और मिजोरम में भी महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.7 मापी गयी। किसी के कारण किसी के हताहत होने या संपत्ति के नुकसान की तत्काल कोई खबर नहीं है।

मंगोलियाई सेना के प्रतिनिधिमंडल ने भारत में शत्रुजीत ब्रिगेड का दौरा किया

आगरा। मंगोलिया की सेना के 19 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय सेना की शत्रुजीत ब्रिगेड का दौरा कर पेशेवर पहलुओं और क्षमता की प्रत्यक्ष जानकारी हासिल की। मंगोलियाई सेना के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व ब्रिगेडियर जनरल ओन्ट्सगोइबयार लखमजी ने किया। यह यात्रा

भारत-मंगोलिया रक्षा सहयोग को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम है। यह जानकारी एक्स पोस्ट में सूर्यकमांड आईए ने आज सुबह दी। सूर्यकमांड आईए भारतीय सेना के मध्य कमान का आधिकारिक एक्स अकाउंट है। सूर्यकमांड आईए ने एक्स पर लिखा, 'ब्रिगेडियर जनरल ओन्ट्सगोइबयार लखमजी के नेतृत्व में मंगोलियाई सेना के 19 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने शत्रुजीत ब्रिगेड का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल को एयरबोर्न सैनिकों के पेशेवर पहलुओं के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी दी गई। यह भारत-मंगोलिया द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण कदम है।

राष्ट्रपति से पद्मश्री पाकर भावुक हुई ममता शंकर, बोलीं- यह ईश्वर का आशीर्वाद

कोलकाता। मशहूर अभिनेत्री और नृत्यांगना ममता शंकर ने राष्ट्रपति भवन में 'पद्मश्री' सम्मान प्राप्त किया। सम्मान को हासिल करने के बाद वह भाव विभोर हैं। बातचीत में उन्होंने कहा कि यह ऐसा अहसास है जिसे शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि मेरे लिए यह ईश्वर का आशीर्वाद है। मैं बहुत खुश हूं, लेकिन मन में क्या चल रहा है, उसे व्यक्त नहीं कर सकती। भारत सरकार ने मुझे इस सम्मान के लिए चुना, यह मेरी कल्पना से भी परे था। मैंने कभी इसके बारे में सोचा नहीं था, न कभी उम्मीद की थी। ममता शंकर ने कहा कि उन्होंने अपने जीवन में कभी कोई योजना नहीं बनाई और शायद इसी कारण उन्हें जब इतना बड़ा सम्मान मिला, तो वह

अभिभूत हो गईं। ममता शंकर ने अपने करियर में 50 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया है। जिनमें 'दूरत्व' (1978), 'एक दिन प्रतिदिन' (1979), 'खारिज' (1982), 'गृहयुद्ध' (1982), 'शाखा प्रशाखा' (1991), 'अगंतुक' (1991) और हालिया फिल्म 'प्रजापति' (2023) शामिल हैं।

एनडीए सरकार एनटी रामाराव गारू के विजन को पूरा कर रही: मोदी

▸▸ 'मैं एनटीआर गारू (महोदय) को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।'

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और महान अभिनेता एनटी रामाराव को उनकी जयंती पर श्रद्धांजिल अर्पित की। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'मैं एनटीआर गारू (महोदय) को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। समाज की सेवा करने और गरीबों और वंचितों को सशक्त बनाने के उनके प्रयासों के लिए उन्हें व्यापक रूप से सराहा जाता है। उनके सिनेमाई काम भी दर्शकों को रोमांचित करते रहते हैं। हम सभी उनसे बहुत प्रेरित हैं। मेरे मित्र चंद्रबाबू नायडू गारू के नेतृत्व में आंध्र प्रदेश में एनडीए सरकार एनटीआर के विजन को पूरा करने के

लिए काम कर रही है।' उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और महान अभिनेता एन.टी. रामाराव गारू को उनकी जयंती पर मेरी श्रद्धांजलि।' आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'युगपुरुष, विश्वविख्यात अभिनेता, तेलुगू भाषियों के आदर्श, दुनिया को तेलुगू लोगों का स्वाभिमान दिखाने वाले महापुरुष, कल्याण का नया रास्ता दिखाने वाले समाज सुधारक, 'अन्ना' नंदमुरी तारक रामाराव को उनकी 102वीं जयंती पर कोटि-कोटि नमन।'

नायडू ने एनटीआर के विजन को याद करते हुए आगे लिखा,' एनटीआर वो वीर व्यक्ति थे जिन्होंने गरीब लोगों की तीन जरूरतों को पूरा करना अपने जीवन का कार्य माना। रोटी, कपड़ा और मकान। वह एक दूरदर्शी व्यक्ति थे जिन्होंने 'समाज ही मंदिर है, लोग ही भगवान हैं' के नारे के साथ लोकतंत्र को एक नया अर्थ दिया। पक्के घरों के निर्माण के साथ गरीबों के साथ खड़े हुए, या सिर्फ 2 रुपये प्रति किलो चावल उपलब्ध कराकर गरीबों की भूख मिटाई। उन्होंने जो भी किया, उनके दिमाग में एक ही बात थी।

'मेरा तेलुगू राष्ट्र सम्मान के साथ खड़ा होना चाहिए।' तेलुगू देशम आज भी अगर चमक रही है तो यह उनके आशीर्वाद की वजह से है। हम उस महापुरुष की इच्छा को पूरा करने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। मैं एक बार फिर अपने भाई नंदमुरी तारक रामा राव को श्रद्धांजलि देता हूं, जिन्होंने कई अद्वितीय काम किए।

अंतर-सेवा संगठन (कमान, नियंत्रण और अनुशासन) अधिनियम के नियम अधिसूचित

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार ने सशस्त्र बलों में अधिक तालमेल, सामंजस्य और कमान के स्तर पर दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से अंतर-सेवा संगठन (कमान, नियंत्रण और अनुशासन) अधिनियम 2023 के नियम अधिसूचित कर दिए हैं।रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि ये नियम मंगलवार यानी 27 मई से प्रभावी होंगे। इस महत्वपूर्ण कदम का उद्देश्य अंतर-सेवा संगठनों (आईएसओ) की प्रभावी कमान, नियंत्रण और कुशल कार्यप्रणाली को बढ़ावा देना है, जिससे सशस्त्र बलों के बीच एकीकरण मजबूत होगा। यह विधेयक 2023 के मानसून सत्र के दौरान संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित किया गया था और राष्ट्रपति ने इसे 15 अगस्त, 2023 को मंजूरी दी थी। यह अधिनियम आईएसओ के कमांडर-इन-चीफ और ऑफिसर-इन-कमांड को उनके अधीन सेवारत सेवा कर्मियों पर कमान और नियंत्रण रखने का अधिकार देता है, जिससे संगठनों के भीतर अनुशासन और प्रशासन का प्रभावी रखरखाव सुनिश्चित होता है। यह सशस्त्र बलों की प्रत्येक शाखा पर लागू विशेष सेवा शर्तों में

बदलाव नहीं करता। अधिनियम की धारा 11 के तहत नए अधिसूचित नियमों का उद्देश्य कानून में निर्धारित प्रावधानों के प्रभावी कार्यान्वयन को सुविधाजनक बनाना है। ये नियम आईएसओ के कामकाज के लिए महत्वपूर्ण हैं और अनुशासन, प्रशासनिक नियंत्रण और परिचालन तालमेल के लिए एक व्यापक ढांचा स्थापित करते हैं। नियमों की अधिसूचना के साथ, अधिनियम अब पूरी तरह से प्रभावी गया है। इससे आईएसओ के प्रमुखों को सशक्त बनाया जाएगा, अनुशासनात्मक मामलों का शीघ्र निपटान किया जा सकेगा और कार्यवाही की पुनरावृति से बचने में मदद मिलेगी।

वीर सावरकर की जयंती के मौके पर मोदी, शाह, नड्डा ने किया नमन

'आजादी के आंदोलन में उनके अदम्य साहस और संघर्ष की गाथा को कृतज्ञ राष्ट्र कभी भुला नहीं सकता।'

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री तथा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा ने बुधवार को स्वतंत्रता सेनानी वीर सावकर की जयंती के मौके पर उन्हें नमन किया। श्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, 'भारत माता के सच्चे सपूत वीर सावरकर जी को उनकी जन्म-जयंती पर आदरपूर्ण श्रद्धांजलि। विदेशी हुकूमत की कठोर से कठोर यातनाएं भी मातृभूमि के प्रति उनके समर्पण भाव को डिगा नहीं पाई। आजादी के आंदोलन में उनके अदम्य साहस और

संघर्ष की गाथा को कृतज्ञ राष्ट्र कभी भुला नहीं सकता। देश के लिए उनका त्याग और समर्पण विकसित भारत के निर्माण में भी पथ-प्रदर्शक बना रहेगा।'वहीं, श्री शाह ने एक्स पर लिखा, 'मातृभूमि की स्वाधीनता के लिए साहस और संयम की पराकाष्ठा पार करने वाले स्वातंत्र्यवीर सावरकर जी ने राष्ट्रहित को अखिल भारतीय चेतना बनाने में अविस्मरणीय योगदान दिया। 1857 के स्वतंत्रता संग्राम को अपनी लेखनी से ऐतिहासिक बनाने वाले सावरकर जी की मातृभूमि के प्रति निष्ठा और समर्पण को अंग्रेजों की कठिन यातनाएँ भी डिगा न सकीं। भारतीय समाज को अस्पृश्यता के दंश से मुक्त कर एकता के मजबूत सूत्र में पिरोने हेतु आजीवन समर्पित वीर सावरकर जी को उनकी जयंती पर कृतज्ञ राष्ट्र की ओर से कोटिशः नमन।' श्री नड्डा ने लिखा, 'वीर सावरकर भारत की स्वतंत्रता और राष्ट्रीय पुनर्जागरण के प्रखर प्रहरी थे। कालापानी की क्रूर यातनाओं को झेलकर भी अडिग भाव से राष्ट्र की स्वाधीनता के लिए अजीवन संघर्षरत रहे। अंग्रेजी हुकूमत की असहनीय प्रताड़ना भी देश को स्वतंत्र कराने के उनके संकल्प को डिगा नहीं पाया।

अमित शाह ने बस्तर के पंडीराम मंडावी को पद्मश्री मिलने पर दी बधाई

एजेंसी

रायपुर। भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा छत्तीसगढ़ के प्रदेश मंत्री एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य खूबलाल ध्रुव ने कहा कि बस्तर के माटी पुत्र पंडीराम मंडावी को पद्मश्री जैसे प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान से सम्मानित किया जाना पूरे छत्तीसगढ़, विशेषकर बस्तर के लिए गर्व की बात है। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर देश के गृहमंत्री अमित शाह ने स्वयं पंडीराम मंडावी से भेंट कर उन्हें बधाई दी और उनके योगदान की सराहना की।

ध्रुव ने कहा कि यह सम्मान न केवल मंडावी के जीवन भर के कार्यों की स्वीकृति है, बल्कि यह बस्तर की सांस्कृतिक विरासत और उसकी प्रतिभाओं को भी राष्ट्रीय पहचान दिलाने का कार्य कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व और गृहमंत्री अमित शाह के दृढ़ संकल्प से बस्तर

में स्थायी शांति की दिशा में ठोस कदम उठाए गए हैं। इसका परिणाम है कि आज बस्तर की प्रतिभाओं को देश और दुनिया के सामने आने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों और सुरक्षा बलों के सहयोग से बस्तर अब बदलाव के रास्ते पर है और यहां की जनजातीय संस्कृति, कला और परंपराएं सम्मान पा रही हैं। यह न सिर्फ एक व्यक्ति की उपलब्धि है, बल्कि पूरे आदिवासी समाज की गौरवपूर्ण मान्यता है।

जम्मू-कश्मीर : राजौरी में बिजली गिरने से 100 से अधिक भेड़-बकरियों की मौत

'चेतावनी दी है कि समय पर सहायता के बिना उनका अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाएगा।'

एजेंसी

जम्मू । जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में बिजली गिरने से 100 से अधिक भेड़-बकरियों की मौत हो गई। इस घटना से प्रभावित परिवारों को भारी दुख और आर्थिक क्षति हुई है, जो अपनी जीविका के लिए पूरी तरह से पशुधन पर निर्भर हैं। बुद्धल तहसील के तरगैन गांव के खानाबदोश परिवार मौसमी प्रवास पर थे और मर्ग के ऊंचाई वाले चरागाहों में ढोक नामक अस्थायी आश्रय स्थल बनाए थे। खराब मौसम के दौरान उनके शिविर पर बिजली गिरी, जिसकी चपेट में आने से जानवरों की मौत हो गई।

प्रभावित परिवारों में मोहम्मद

अशरफ, सद्दाम हुसैन, माखन दीन, मोहम्मद फारूक, अजाज अहमद, फखर दीन, जावेद इकबाल और मोहम्मद आरिफ शामिल हैं। प्रभावित परिवारों ने कहा कि पशुधन ही उनकी आजीविका का एकमात्र साधन था और सब कुछ खो जाने के कारण अब उन्हें भूख और लाचारी का सामना करना पड़ रहा है। बुद्धल के भेड़ पालन विभाग की एक टीम ने घटनास्थल का दौरा किया, नुकसान का जायजा लिया और आगे की कार्रवाई के लिए एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की। टीम में फ्लॉक सुपरवाइजर शाहबाज कमर और असिस्टेंट स्टॉकमैन लाल हुसैन शामिल थे। पीड़ितों ने जम्मू-कश्मीर सरकार और राजौरी प्रशासन से तत्काल वित्तीय राहत, मुआवजा और पुनर्वास सहायता की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि समय पर सहायता के बिना उनका अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाएगा। खानाबदोश बकरवाल परिवारों के लिए उनका पशुधन ही उनकी एकमात्र संपत्ति है और उनका अस्तित्व भेड़ और बकरियों पर निर्भर करता है। वे अपने मवेशियों के लिए घास के मैदान की तलाश में कठोर गर्मी के महीनों के दौरान ऊंचे चरागाहों की ओर पलायन करते हैं।

अक्टूबर के मध्य में ठंड का मौसम शुरू होने के साथ ही बकरवाल सर्दियां बिताने के लिए अपने घरों को वापस चले जाते हैं।

केरल में माकपा शासन के 09 वर्षों के शासनकाल में 42000 एमएसएमई बंद हुएः भाजपा

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम। केरल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने आरोप लगाया है कि सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार के नौ साल के कुशासन ने केरल के औद्योगिक परिदृश्य को बुरी तरह से नुकसान पहुंचाया है, जिसके कारण 42,000 से अधिक सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) बंद होने को मजबूर हुए हैं। श्री चंद्रशेखर ने कहा कि मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) शासन के तहत तेजी से बढ़ते प्रतिकूल कारोबारी माहौल ने हिंदुस्तान यूनिलीवर और काइटेक्स जैसी प्रमुख कंपनियों को राज्य से बाहर निकलने के लिए मजबूर किया है। उन्होंने कहा, 'प्रवासी भारतीय (एनआरआई) उद्यमी साजन की दुखद मौत व्यापारिक समुदाय के भीतर बढ़ती निराशा की भावना को

रेखांकित करती है।' उन्होंने आरोप लगाया, 'नोक्कू कुली' जैसी पुरानी कम्युनिस्ट विचारधाराएं और व्यापार-विरोधी प्रथाएं निजी निवेश को पीछे धकेल रही हैं, जिससे राज्य के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर कम हो रहे हैं और उनका भविष्य अनिश्चित है।

एनसीआर में मौसम ने बदला मिजाज, भीषण गर्मी के बाद फिर आंधी-पानी का पूर्वानुमान

एजेंसी

नई दिल्ली । राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में इन दिनों गर्मी अपने चरम पर है। बुधवार, 28 मई की सुबह से ही आसमान साफ रहा और धूप तेज बनी रही। तापमान अधिकतम 39 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 27 डिग्री तक दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, दोपहर बाद आसमान में बादल छाने की संभावना जताई गई है, हालांकि बुधवार को किसी प्रकार की मौसम संबंधी चेतावनी जारी नहीं की गई है। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के पूर्वानुमान के अनुसार, 29 मई से क्षेत्र में मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। तेज़ बारिश के साथ गरज-चमक और आंधी की संभावना जताई गई है। विभाग ने येलो अलर्ट जारी करते हुए चेताया है कि 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। साथ ही आकाशीय बिजली गिरने की भी संभावना है, जिससे आम लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता है। 30 और 31 मई को भी गरज-चमक के साथ बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। तापमान में गिरावट देखी जा सकती है, जहां अधिकतम तापमान 36 डिग्री और न्यूनतम 25 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। 31 मई को हालांकि कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है, लेकिन गरज के साथ बारिश का पूर्वानुमान बना हुआ है। 1 जून से मौसम थोड़ा सामान्य होने की संभावना है। इस दिन आसमान आंशिक रूप से साफ रहेगा और तापमान फिर से 37 डिग्री तक पहुंच सकता है। हालांकि, 2 और 3 जून को फिर से आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और बारिश के साथ गरज-चमक की संभावना बनी हुई है।

सीईईडब्ल्यू ने लॉन्च की इंडियाज हीटवेव हीरोज सीरीज, बताएगी भीषण गर्मी से निपटने के स्थानीय समाधान

नई दिल्ली। काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वाटर (सीईईडब्ल्यू) ने इंडियाज हीटवेव हीरोज: लोकल सॉल्यूशंस इन ए हॉटर वर्ल्ड नामक वीडियो सीरीज लॉन्च की। पांच भागों में बनी यह यूट्यूब सीरीज देश के विभिन्न हिस्सों में गर्मी से निपटने के स्थानीय प्रयासों और नवाचारों को उजागर करती है। इस सीरीज को लोकप्रिय राष्ट्रीय और क्षेत्रीय डिजिटल इन्फ्लुएंसर्स ने होस्ट किया है, जिनमें अभिनेता आशीष विद्यार्थी, अशरफ एक्सेल, अलीशा मिश्रा (लुईस गुड लाइफ), शक्ति सिंह (ट्रैवलिंग मंडेज) और श्वेता राठौर (विज्ञेरपेस) शामिल हैं। गुजरात, राजस्थान, दिल्ली, ओडिशा और केरल जैसे राज्यों में यह सीरीज ऐसे ग्रासरूट चैंपियंस और स्थानीय संस्थाओं को रेखांकित करती है जो गर्मी से निपटने की सामर्थ्य और कूलिंग इनोवेशन को बढ़ावा दे रहे हैं। यह सीरीज ऐसे समय में आई है जब भारत जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ती मौसमी अनिश्चितताओं का सामना कर रहा है–देश के भीतरी हिस्से भीषण गर्मी से जूझ रहे हैं, उत्तर भारत में मई में रिकॉर्ड वर्षा हुई है और दक्षिण व पूर्वोत्तर में समय से पहले मानसून ने दस्तक दी है। सीईईडब्ल्यू के एक हालिया अध्ययन में सामने आया है कि भारत के 57 प्रतिशत जिले अत्यधिक हीट रिस्क का सामना कर रहे हैं।

इंटरनेशनल फिल्म सिटी की राह हुई आसान, बोनी कपूर ने जमा किया लेआउट प्लान

ग्रेटर नोएडा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट 'इंटरनेशनल फिल्म सिटी' के निर्माण की राह अब आसान हो गई है। निर्माता बोनी कपूर की कंपनी बेव्यू प्रोजेक्ट्स एलएलपी ने फिल्म सिटी का लेआउट प्लान यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यीडा) को सौंप दिया। अब यीडा इस प्लान की समीक्षा करेगा और जरूरी अनुमोदन के बाद निर्माण कार्य को औपचारिक रूप से शुरू कर दिया जाएगा। यह फिल्म सिटी यमुना एक्सप्रेसवे के सेक्टर-21 में 1000 एकड़ में विकसित की जा रही है। पहले चरण में 230 एकड़ भूमि पर काम शुरू होगा, जिसकी अनुमानित लागत 1510 करोड़ रुपये है। यमुना प्राधिकरण (यीडा) के ओएसडी शैलेंद्र भाटिया ने बताया कि फिल्म निर्माता और फिल्म सिटी के निर्माण की जिम्मेदारी हासिल करने वाले बोनी कपूर ने अपनी कंपनी की ओर से लेआउट प्लान को सबमिट किया है। अब प्राधिकरण इसका अवलोकन और परीक्षण करेगा, जिसके बाद उन्हें कार्य शुरू करने के लिए आवश्यक अनुमोदन प्रदान किया जाएगा। मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अरुणवीर सिंह ने स्पष्ट किया है कि निर्माण कार्य पूरी तरह समझौते के अनुसार ही होगा।

राहुल के 'नॉट फाउंड सूटेबल' पर शिक्षा मंत्री ने गिनाए आंकड़े, कहा मोदी सरकार ने दूर की पिछड़ों की बाधायें

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी पर 'झूठ और फरेब' की राजनीति करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग को अपना अधिकार मिल रहा है। वहीं कांग्रेस काल में उन्हें इससे वंचित रखा गया था। धर्मेन्द्र प्रधान कांग्रेस नेता राहुल गांधी के एक आरोप का जवाब दे रहे थे। इसमें राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि योग्य उम्मीदवार न मिलने का बहाना कर सरकार जानबूझकर एससी, एसटी और ओबीसी उम्मीदवारों को शिक्षा और नेतृत्व से दूर रख रही है। इसके जवाब में आंकड़ों के साथ शिक्षा मंत्री ने कहा, कांग्रेस पार्टी को पीलिया हुआ है इसीलिए उनको सबकुछ पीले रंग का ही दिखाई पड़ता है। या यूं कहें कि हर अच्छे में भी उन्हें बुरा ही दिखाई पड़ता है। शिक्षा मंत्री ने राहुल गांधी के इन आरोपों का एक्स पर जवाब दिया। प्रधान ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि 'नॉट फाउंड सूटेबल' (योग्य उम्मीदवार नहीं मिला) जैसी व्यवस्था कांग्रेस की दलित-विरोधी नीति की देन थी। प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने 2019 में ऐतिहासिक कानून लाकर इस अन्याय का अंत किया। उन्होंने कहा कि देश का युवा अब कांग्रेस की इस राजनीति की सच्चाई समझ चुका है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्वातंर्त्यवीर सावरकर प्रतिष्ठान को पुरस्कृत किया

मुंबई। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने महाराष्ट्र सरकार की ओर से स्वातंर्त्यवीर सावरकर प्रतिष्ठान को छत्रपति संभाजी महाराज के नाम पर 'राज्य प्रेरणा गीत पुरस्कार' देकर सम्मानित किया। मुंबई में हो रही बारिश की वजह से आज यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री के शासकीय आवास वर्षा बंगले पर आयोजित किया गया। छत्रपति संभाजी महाराज राज्य प्रेरणादायक गीत पुरस्कार इस वर्ष से दिए जाने की घोषणा की गई थी। कार्यक्रम में स्वातंर्त्यवीर विनायक दामोदर सावरकर द्वारा लिखित गीत अनाड़ी मी.. अनंत मी... के लिए 2025 का छत्रपति संभाजी महाराज राज्य प्रेरणादायक गीत पुरस्कार के रूप में अमित शाह ने दो लाख रुपये का धनादेश स्वातंर्त्यवीर सावरकर प्रतिष्ठान के पदाधिकारियों को सौंपी। महाराष्ट्र के सांस्कृतिक मामलों के मंत्री आशीष शेलार ने कहा कि छत्रपति संभाजी महाराज का जीवन जीने और मरने दोनों के लिए प्रेरणा देता है।

'ऑपरेशन सिंदूर' पर बोले उपराष्ट्रपति, शांति तब सुनिश्चित होती है जब आप युद्ध के लिए सदा तैयार हों

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राज्यसभा इंटर्नशिप कार्यक्रम चरण 7 के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए हमें स्वदेशी शक्ति की आवश्यकता है। युद्ध से सबसे अच्छा बचाव तब होता है जब हम शक्ति की स्थिति में हों। शांति तब सुनिश्चित होती है जब आप युद्ध के लिए हमेशा तैयार रहें। शक्ति केवल तकनीकी क्षमता या पारंपरिक हथियारों से नहीं आती, बल्कि यह जनता से भी आती है। उपराष्ट्रपति ने कहा, 'संतुलन बनाए रखना जरूरी है। हम केवल अपने मौलिक अधिकारों की बात करते हैं, उन्हें 24×7 मांगते हैं, और मौलिक कर्तव्यों के प्रति पूरी तरह उदासीन रहते हैं।ज अगर हम केवल अपने अधिकारों पर ध्यान दें और कर्तव्यों की अनदेखी करें, तो हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में एक नागरिक के रूप में

अपने दायित्व को पूरा नहीं करते। संविधान में शुरू में ये कर्तव्य नहीं थे। हमारे संविधान निर्माताओं ने अपेक्षा की थी कि हम इन कर्तव्यों के प्रति स्वाभाविक रूप से समर्पित रहेंगे। लेकिन बाद में जब इसकी आवश्यकता महसूस हुई, तो इन्हें 42वें और 86वें संविधान संशोधन के माध्यम से शामिल किया गया। यदि मैं मौलिक कर्तव्यों का सार बताऊं, तो यह है कि राष्ट्रीय कल्याण को प्राथमिकता देना, लोक व्यवहार, अनुशासन, सार्वजनिक संवाद, पर्यावरण और जीवन में भलाई की सभी बातों में अपना योगदान देना।' उन्होंने कहा, 'लोग सोचते हैं कि हम योगदान कैसे करें? स्वदेशी का विचार आर्थिक राष्ट्रवाद से जुड़ा हुआ है। आर्थिक राष्ट्रवाद का मतलब है कि हम स्वदेशी वस्तुओं का उपभोग करें। 'वोकल फॉर लोकल' को अपनाएं। यह हमारे कारीगरों को प्रेरित करेगा कि वे हमारी आवश्यकताओं को पूरा करें। लेकिन अगर हम उन वस्तुओं का आयात करते हैं जिन्हें देश में बनाया जा सकता है, तो तीन समस्याएं उत्पन्न होती हैं- एक, विदेशी मुद्रा भंडार पर अनावश्यक दबाव; दूसरा, अपने देश के लोगों से रोजगार छीनना; और तीसरा, उद्यमशीलता को कुंद करना। हर व्यक्ति योगदान दे सकता है - वह क्या पहनता है, क्या खाता है, कौन से जूते पहनता है।

राष्ट्रपति ने 68 हस्तियों को प्रदान किए पद्म पुरस्कार

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने दूसरे चरण में राष्ट्रपति भवन में 68 विभूतियों को पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया। देश के शीर्ष नेतृत्व की उपस्थिति में आज चार को पद्म विभूषण, 8 को पद्म भूषण और 56 को पद्मश्री प्रदान किए गए।जस्टिस (सेवानिवृत्त) जगदीश सिंह खेहर, कुमुदिनी लाखिया (मरणोपरांत), डॉ. शारदा सिन्हा (मरणोपरांत), डॉ. शोभना चंद्रकुमार को देश के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। वहीं, नल्ली कुप्पुस्वामी चेत्ती, डॉ. बिबेक देबरॉय (मरणोपरांत), कैलाश नाथ दीक्षित, जतिन गोस्वामी, डॉ. मनोहर जोशी (मरणोपरांत), अनंत नाग, साध्वी ऋतंभरा, वेलु आसन को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। इसके अलावा 56 हस्तियों को पद्मश्री प्रदान किए गए।

पाकिस्तानी सेना आईसीयू में, आतंकवाद को लेकर सख्त भारत : तरुण चुघ

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने कहा कि पाकिस्तान सेना मौजूदा समय में आईसीयू में है। तरुण चुघ ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि गुजरात के गांधीनगर में प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन से यह साफ है कि अब भारत आतंकवाद के खात्मे को एक लक्ष्य मानता है। प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात के गांधीनगर में अपने संबोधन में पाकिस्तान के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि हमने पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों को महज 20 मिनट में ध्वस्त कर दिया। इसे हमने वीडियो में भी कैद कर लिया, ताकि अगर कोई सबूत मांगे, तो उसे दिखा सकें। पाकिस्तान इस बात को जानता है कि वह हमसे जीत नहीं सकता, इसलिए वह सीमापार से आतंकवादी भेजकर यहां पर माहौल को अव्यवस्थित करना चाहता है, लेकिन हम ऐसा नहीं होने देंगे। भाजपा नेता तरुण चुघ ने प्रधानमंत्री के इस संबोधन को 140 करोड़

देशवासियों की आवाज बताया। कहा कि आज की तारीख में देशवासी नहीं चाहते हैं कि कोई भी आतंकवादी अपना फन उठाए। पाकिस्तान को हर हमले की कीमत चुकानी होगी। साथ ही, तरुण चुघ ने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को 'बारात' कहने पर शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि शिवसेना (यूबीटी) के नेता सेना की बहादुरी पर सवाल उठा रहे हैं और सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के संबंध में विवादित टिप्पणी कर रहे हैं, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है। उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' की तारीफ की। बोले, अगर बाला साहेब ठाकरे जिंदा होते, तो प्रधानमंत्री मोदी को गले लगाते। ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारतीय सेना ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब दिया।

उन्होंने शिवसेना (यूबीटी) पर हिंदुत्व की विचारधारा से समझौता किए जाने की निंदा की। कहा कि पहले जो नेता हिंदुत्व की बातें किया करते थे, अब वह पार्टी हनुमान चालीसा पढ़ने वालों को जेल भेज रही है। अब इन लोगों को आपत्ति हो रही है कि आखिर कोई कैसे हनुमान चालीसा पढ़ सकता है।

शिवराज सिंह चौहान की पहल पर 29 मई से देशभर में चलेगा विकसित कृषि संकल्प अभियान

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की पहल पर प्रारंभ हो रहे देशव्यापी 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' की तैयारियां पूरी हो गई हैं। इस अभियान की शुरूआत 29 मई को पुरी (ओडिशा) से की जाएगी, जहां केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह भी शामिल होंगे।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के मुताबिक 15 दिनों तक चलने वाले इस वृहद अभियान के दौरान शिवराज सिंह चौहान करीब 20 राज्यों में प्रवास करेंगे। इस दौरान वह किसानों एवं वैज्ञानिकों का उत्साहवर्धन करने के साथ ही उनसे सीधा संवाद करेंगे। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान 29 मई को ओडिशा के बाद 12 जून तक के अभियान के दौरान जम्मू, राजस्थान, गुजरात, उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड, असम, मेघालय, कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश,

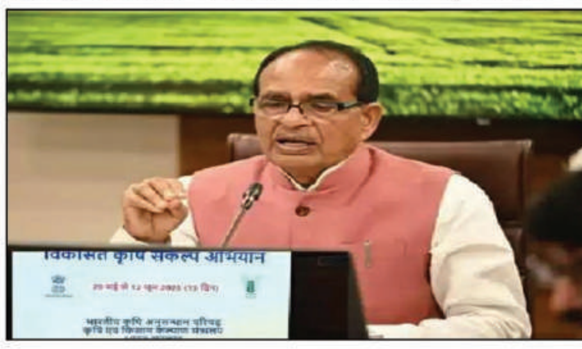

दिल्ली और छत्तीसगढ़ में किसानों व वैज्ञानिक टीमों के साथ संवाद में सहभागिता करेंगे। मंत्रालय ने कहा कि राज्य सरकारों के सहयोग से 29 मई से 12 जून तक 700 से अधिक जिलों में यह अभियान आयोजित किया जाएगा। इस दौरान वैज्ञानिकों की टीम गांवों में जाकर किसानों से संवाद करेंगी। अभियान में देशभर के सभी 731 कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके), आईसीएआर के सभी 113 संस्थानों, राज्यस्तरीय विभागों एवं कृषि, बागवानी, पशुपालन, मत्स्य पालन के अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ ही प्रगतिशील किसान व कृषि से जुड़े अन्य लोग शामिल होंगे।

सीबीआई की बड़ी जीतः इंटरपोल के नए सिल्वर नोटिस से पकड़े गए 2 बड़े धोखेबाज, दुबई में भी मिली संपत्ति

एजेंसी

नई दिल्ली। इंटरपोल ने 'सिल्वर नोटिस' नामक एक नई पहल शुरू की है, जिससे सदस्य देश वांछित अपराधियों की संपत्तियों से संबंधित अलर्ट और जानकारी साझा कर सकेंगे। यह पहल वित्तीय अपराधों से प्राप्त संपत्तियों का पता लगाने और उन्हें जब्त करने में महत्वपूर्ण साबित होगी।

सीबीआई के प्रवक्ता ने बताया कि सिल्वर नोटिस और डिफ्यूजन के माध्यम से, सदस्य देश धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार, नशीले पदार्थों की तस्करी, पर्यावरणीय अपराध और अन्य गंभीर अपराधों से जुड़ी संपत्तियों के बारे में जानकारी का अनुरोध कर सकते हैं। यह नोटिस अपराधियों द्वारा मनी लॉन्ड्रिंग की गई संपत्तियों, जैसे अचल संपत्ति, वाहन, बैंक खाते और व्यवसायों का पता लगाने और उनके बारे में जानकारी जुटाने में मदद करेगा। इस जानकारी का उपयोग बाद में

द्विपक्षीय समझौतों के आधार पर संपत्ति की जब्ती, कुर्की या वसूली के लिए किया जा सकता है, जो राष्ट्रीय कानूनों के अधीन होगा। प्रवक्ता ने बताया कि सिल्वर नोटिस को वर्तमान में 51 देशों और क्षेत्रों के साथ एक पायलट चरण के रूप में लॉन्च किया गया है, जो कम से कम नवंबर 2025 तक चलेगा। इस पायलट चरण में प्रत्येक देश 9 सिल्वर नोटिस प्रकाशित करवा सकता है। भारत ने सीबीआई, ईडी और एनसीबी द्वारा जांच किए जा रहे मामलों में सिल्वर नोटिस प्रकाशित करने के लिए पहले ही अनुरोध प्रस्तुत कर दिए हैं। पहला नोटिसः शौकीन शुभम के खिलाफ (वीजा धोखाधड़ी) 23 मई, 2025 को, सीबीआई ने भारत का पहला सिल्वर नोटिस शौकीन शुभम के खिलाफ प्रकाशित करवाया। शुभम नई दिल्ली स्थित एक विदेशी दूतावास में कार्मिक वीजा और स्थानीय कानून अधिकारी था।

उसने सितंबर 2019 से मई 2022 के बीच अन्य आरोपियों के साथ मिलकर वीजा आवेदकों से 15,00,000/- रुपये से 45,00,000/- रुपये तक की अवैध राशि लेकर शेंगेन वीजा जारी करने में मदद की। इस आपराधिक आय से उसने दुबई, यूएई में 7,760,500 दिरहम (लगभग 15,73,51,250 रुपये) की छह अचल संपत्तियां हासिल कीं। इससे पहले, सीबीआई ने उसके ठिकाने का पता लगाने के लिए उसके खिलाफ एक ब्लू नोटिस भी प्रकाशित करवाया था।

भारत में विकसित होगा ई-हनसा, अगली पीढ़ी का इलेक्ट्रिक ट्रेनर विमान

नई दिल्ली। भारत ने अगली पीढ़ी के दो-सीटर इलेक्ट्रिक ट्रेनर विमान 'ई-हनसा' (इलेक्ट्रिक हनसा) के विकास की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस विमान का विकास वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) की राष्ट्रीय वैमानिकी प्रयोगशाला (एनएएल) बेंगलुरु द्वारा किया जा रहा है। इसकी अनुमानित लागत लगभग दो करोड़ रुपये होगी। यह कीमत विदेशी ट्रेनर विमानों की कीमत से लगभग आधी है। यह जानकारी आज केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने दी। वह विज्ञान भवन में सभी प्रमुख विज्ञान विभागों के सचिवों के साथ उच्चस्तरीय मासिक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। केन्द्रीय मंत्री के साथ ही सीएसआईआर के उपाध्यक्ष डॉ. सिंह ने कहा कि यह गर्व की बात है कि नया विमान सीएसआईआर की राष्ट्रीय वैमानिकी प्रयोगशाला बेंगलुरु द्वारा पूरी तरह स्वदेशी रूप से विकसित किया जा रहा है। ई-हनसा, हनसा-3 (न्यू जेनरेशन) ट्रेनर विमान कार्यक्रम का हिस्सा है। इसे

पायलट प्रशिक्षण के लिए एक किफायती और स्वदेशी विकल्प के रूप में तैयार किया जा रहा है। भारत का ई-हनसा विमान देश के हरित विमानन लक्ष्यों और स्वच्छ ऊर्जा आधारित विमानों के उपयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

श्रीलंका के संसदीय शिष्टमंडल से बिरला ने कहा, आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता की आवश्यक

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आज आतंकवाद को मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद किसी एक देश का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह पूरी मानव सभ्यता के लिए चुनौती है। उन्होंने सभी देशों से इसके खिलाफ एकजुट होकर खड़े होने की अपील की।

अध्यक्ष बिरला ने आज संसद भवन में श्रीलंका की संसद के डिप्टी स्पीकर और संसद की समितियों के सभापति डॉ. रिज्वी सालीह के नेतृत्व में भारत यात्रा पर आए श्रीलंका के संसदीय शिष्टमंडल के साथ द्विपक्षीय बैठक की। उन्होंने कहा कि भारत और श्रीलंका की मित्रता सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्यों पर आधारित है। दोनों देशों के बीच बौद्ध धर्म की साझी विरासत को भी उन्होंने गर्व के साथ उल्लेख किया। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि भारत और श्रीलंका के बीच फिनटेक और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में सहयोग बढ़ रहा है। उन्होंने हाल ही में श्रीलंका में यूपीआई-आधारित भुगतान प्रणाली की शुरुआत और पर्यटन के लिए समुद्री रास्तों में

सुधार की बात की। बिरला ने भारत की संसद में तकनीकी नवाचारों के महत्व पर जोर दिया। कहा कि संसद डिजिटल और एआई तकनीकों के जरिए पारदर्शिता और जन भागीदारी को बढ़ावा दे रही है। डॉ. रिज्वी सालीह ने भारत के समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि इससे दोनों देशों के संबंध मजबूत होंगे। इस अवसर पर लोक सभा के महासचिव उत्पल कुमार सिंह भी उपस्थित रहे। श्रीलंका का संसदीय शिष्टमंडल इस समय संसदीय लोकतंत्र शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) द्वारा आयोजित क्षमता निर्माण कार्यक्रम में भाग ले रहा है।

एनएचआरसी ने तमिलनाडु में टैंक की सफाई के दौरान श्रमिकों की मौत पर जारी किया नोटिस

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने तमिलनाडु के तिरुप्पुर जिले में एक निजी औद्योगिक इकाई में बिना किसी सुरक्षात्मक उपायों के सीवेज टैंक की सफाई के दौरान तीन श्रमिकों की मौत का संज्ञान लिया है। आयोग ने लापरवाही के लिए वहां के आला अफसरों को नोटिस भी जारी किया है। वहां पर 19 मई को हुए हादसे में एक श्रमिक की हालत गंभीर है। आयोग ने तमिलनाडु सरकार के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी कर चार सप्ताह के भीतर मामले में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। जानकारी के अनुसार श्रमिक तिरुप्पुर के कराईपुदुर क्षेत्र में एक रंगाई मिल में कार्यरत थे। उन्हें कारखाने के सीवेज टैंक को साफ करने के लिए कहा गया था। एनएचआरसी का कहना है कि वे लगातार पर्याप्त और उचित सुरक्षात्मक उपाय व आवश्यक उपकरण के बिना खतरनाक सफाई की गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के पक्ष में है। साथ ही काम के अनुकूल और प्रौद्योगिकी आधारित रोबोटिक मशीनो का उपयुक्त प्रयोग किया जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि रिपोर्टों के अनुसार टैंक में उतरने के कुछ ही देर बाद चारों का दम घुटने लगा और वे बेहोश हो गए। सहकर्मियों ने उन्हें बाहर निकाला और एक निजी अस्पताल ले गए।

विश्व परिक्रमा करके भारतीय नौसेना की दो महिला अधिकारी 29 मई को गोवा के तट पर लौटेंगी

एजेंसी

नई दिल्ली। आईएनएसवी तारिणी पर सवार होकर विश्व परिक्रमा के लिए निकलीं भारतीय नौसेना की दो महिला अधिकारी 29 मई को गोवा के तट पर लौटेंगी। भारतीय नौसेना नाविका सागर परिक्रमा द्वितीय के विजयी दल का स्वागत करने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस असाधारण नौकायन अभियान को पिछले साल 02 अक्टूबर को गोवा के नौसेना महासागर नौकायन नोड से रवाना किया गया था। गोवा के मोरमुगाओ बंदरगाह पर इस ऐतिहासिक घटना के ध्वजारोहण समारोह की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे, जो औपचारिक रूप से जल यात्रा के समापन का प्रतीक होगा। नौकायन पोत तारिणी से नौसेना की दो साहसी महिला अधिकारियों लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना के और लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा ए को 02 अक्टूबर को इस चुनौतीपूर्ण अभियान पर गोवा से रवाना किया गया था। आठ महीनों के दौरान नौसेना की इस जोड़ी ने चार महाद्वीपों, तीन महासागरों और तीन ग्रेट केप में 25,400 एनएम (लगभग 50,000 किमी) की दूरी तय की, जिसमें मौसम की प्रतिकूल स्थिति और चुनौतीपूर्ण समुद्रों का सामना किया। दोनों महिलाओं ने फ्रेमेंटल (ऑस्ट्रेलिया), लिटलटन (न्यूजीलैंड), पोर्ट स्टेनली (फॉकलैंड द्वीप) और केप टाउन

(दक्षिण अफ्रीका) के बंदरगाहों पर विराम लिया। इस दौरान इन महिला अधिकारियों ने कई कूटनीतिक और आउटरीच कार्यक्रमों में भाग लिया, दुनिया भर के सांसदों, भारतीय प्रवासियों, स्कूली बच्चों, नौसेना के कैडेटों और विश्वविद्यालय के शिक्षकों के साथ बातचीत की। उनकी उपलब्धियों के लिए पश्चिमी ऑस्ट्रेलियाई संसद में विशेष आमंत्रित के रूप में सम्मानित किया गया। उनकी उपलब्धियों को स्थानीय समुदायों, अंतरराष्ट्रीय नौकायन संगठनों और विदेशी संसदों से सराहना मिली, जो महिला सशक्तीकरण, समुद्री उत्कृष्टता और राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक के रूप में काम कर रहे हैं।यात्रा के दौरान चालक दल को 50 नॉट (93 किमी प्रति घंटे) की रफ्तार से चलने वाली हवाओं के साथ-साथ तूफानी मौसम की स्थिति और बेहद ठंडे तापमान का सामना करना पड़ा। हालांकि प्रत्येक चरण की अपनी चुनौतियां थीं, लेकिन लिटलटन से पोर्ट स्टेनली तक की यात्रा का तीसरा चरण सबसे कठिन था। चालक दल ने तीन चक्रवातों का सामना किया, खतरनाक ड्रेक पैसेज से गुजरा और केप हॉर्न को सफलतापूर्वक पार किया। यात्रा के दौरान अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व-संध्या पर रक्षा मंत्री के साथ चालक दल को बातचीत करने का अवसर मिला। इसके अलावा नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने भी विभिन्न अवसरों पर चालक दल के साथ बातचीत की।

जमाई षष्ठी पर अमित शाह का 'शाही' दौरा, एक जून को कोलकाता में करेंगे भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आगामी एक जून को पश्चिम बंगाल के दौरे पर आएंगे। राज्य भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि उसी दिन कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम में भाजपा की एक महत्वपूर्ण कार्यकर्ता बैठक आयोजित की जाएगी। यह दौरा उस दिन हो रहा है, जब बंगाल में पारंपरिक जमाई षष्ठी का त्योहार मनाया जाता है। अमित शाह का यह दौरा कई हफ्तों की अनिश्चितता और तारीखों के फेरबदल के बाद तय हुआ है। पहले यह अनुमान लगाया जा रहा था कि शाह मई के अंत में बंगाल आएंगे, लेकिन फिर भाजपा की राज्य इकाई ने कुछ पारिवारिक कारणों का हवाला देते हुए दौरा टालने की अपील की थी। इस कारण दौरे की तारीख को लेकर असमंजस बना रहा। हालांकि,

अब साफ हो गया है कि शाह एक जून को ही बंगाल आएंगे और पार्टी के सभी स्तर के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगे। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी के एक वर्ग ने जमाई षष्ठी के दिन कार्यक्रम को लेकर आपत्ति जताई थी क्योंकि इस दिन पारिवारिक आयोजन होते हैं। लेकिन विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि जमाई षष्ठी की रस्में आमतौर पर दोपहर तक खत्म हो जाती हैं, इसलिए कार्यक्रम में उपस्थित रहने में कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। इस दौरे को आगामी विधानसभा चुनाव 2026 की तैयारियों के लिहाज से अहम माना जा रहा है। शाह इस दौरान बंगाल भाजपा की संगठनात्मक स्थिति का जायजा लेंगे और चुनावी रणनीति को लेकर मार्गदर्शन देंगे। बंगाल भाजपा लंबे समय से अमित शाह के दौरे का इंतजार कर रही थी। पार्टी के भीतर इसको लेकर कई दौर की चर्चाएं और रणनीतिक बैठकों का सिलसिला भी चला। अंततः केंद्र और राज्य नेतृत्व के बीच सहमति बनने के बाद एक जून की तारीख तय की गई। शाह की मौजूदगी से भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार होने की उम्मीद है।

संपादक की कलम से

शराब पीने की रफ्तार गिरने लगी

अब बिहार के जानकार लोग तो यह बात नहीं मानेंगे कि शराब की बिक्री की रफ्तार कुछ कम होने में उनके प्रदेश की शराबबंदी का भी योगदान है, असल में ऐसा हो सकता है। देश में शराब की मांग जहां तीन साल पहले बारह फीसदी की रफ्तार से बढ़ी वह अब गिरकर चार फीसदी और फिर दो फीसदी हो चुकी है और इस कारोबार के लोग इसे भी राहत की खबर ही मान रहे हैं क्योंकि वैश्विक स्तर पर शराब की खपत में एक फीसदी साल की कमी आती जा रही है। और यह कमी शराब कंपनियों की उत्पादन क्षमता घटाने या ब्रांड प्रोमोशन में ढील देने के चलते नहीं आ रही है। माना जाता है कि यह औसत क्रय शक्ति कम होने और शराब की कीमत के आबादी के एक हिस्से की क्रय शक्ति से बाहर होने के चलते हो रहा है। ये लोग दूसरी ओर सस्ती चीजों से नशा की लत शांत कर रहे होंगे, यह सामान्य अनुमान है। इसमें अधिक मारक ड्रग और घटिया कच्ची शराब शामिल है। इनके दुष्प्रभाव जगजाहिर हैं और अपने यहां, खासकर नशाबंदी वाले बिहार और गुजरात में, अक्सर कच्ची शराब पीने से मौत की खबरें आती हैं और ऐसे लोग शासन की चिंता से बाहर हो चुके हैं।

अपने यहां जो कमी आ रही है वह मुख्यतः शराब पर भारी कर लगाने से आ रही है। जीएसटी लागू होने के बाद से ज्यादातर राज्यों के राजस्व में कमी आई है। खर्च के आइटम बढ़ते ही जा रहे हैं, खासकर लोकलुभावन कार्यक्रमों से चुनाव जीतने की होड़ बढ़ने के कारण। सो सबको राजस्व बढ़ाने का एक ही सरल तरीका दिखता है- शराब की बिक्री बढ़ाओ और उस पर ज्यादा कर लगाकर खजाना भरो। दिल्ली में हमने भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से निकली आप की सरकार के इस खेल में शामिल होने का तमाशा देखा है। अब भाजपा सरकार ने बिक्री और उपलब्धता में किसी किस्म की सख्ती की हो इसकी सूचना नहीं है। ठीक उलटी सूचना पड़ोस के उत्तर प्रदेश की है जो आज देश में न सिर्फ सबसे ज्यादा शराब बेचता है बल्कि जिसकी बिक्री बढ़ाने की रफ्तार भी सबसे तेज है। योगी राज शुरू होते समय जो राजस्व 17250 करोड़ था वह अब पचास हजार करोड़ तक पहुंच चुका है। यही नहीं, इस सरकार की शराब के ठेकों की नीलामी नीति को भी शराब के व्यापार के लोग सबसे अनुकूल पाते हैं। नोएडा और गाजियाबाद देश में शराब की सबसे ज्यादा और तेज वृद्धि वाले जिले हैं।

व्यापार के जानकार मानते हैं कि जो दुनिया का ट्रेंड है वह हमारे यहां भी है। लेकिन दो वजहों से हमारे यहां अभी कमी या गिरावट नहीं दिखती। गरीबी, क्रय शक्ति में कमी और घटिया नशा का रिकार्ड तो हमारा ही ज्यादा खराब है। लेकिन हमारे समाज में अब तक महिलाओं के शराब पीने का बुरा माना जाता था। आज समाज के एक समूह मे महिलाओं में शराब पीने का चलन तेजी से बढ़ रहा है। बीते तीन दशक के उदारीकरण से पैदा और मजबूत हुआ यह वर्ग इससे लाभान्वित है और भारी कमाई वाले काम कर रहा है। इनमें लड़कियों की संख्या भी काफी है। शराब की खपत बढ़ाने वाला एक जमात यह भी है। एक दूसरा कारण विदेशी ब्रांड के शराब की उपलब्धता सुलभ होना है। कभी विदेशी शराब पर 350 फीसदी तक का सीमा शुल्क लगता था। आज यह सस्ता हुआ है या देश में ही उसका उत्पादन होने लगा है। इसके चलते भी मांग बढ़ी है। रम की बिक्री में सालाना एक फीसदी की वृद्धि हुई है, ब्रांडी में ढाई फीसदी तो वोदका में 19 फीसदी और जिन में पंद्रह फीसदी वृद्धि की रफ्तार है। व्हिस्की की मांग जरूर सबसे ज्यादा बनी हुई है और उसमें कमी आती नहीं दिखती। युवा वर्ग में शान, फैशन और मेलजोल का माध्यम बनने से भी शराब की लोकप्रियता और खपत बढ़ रही है।

शराब व्यवसाय से जुड़े लोगों का मानना है कि उत्तर प्रदेश, दिल्ली, कर्नाटक, महाराष्ट्र और हरियाणा (जहां शराब अपेक्षाकृत सस्ती मिलती है) जैसे राज्यों में खपत ठीक रहने की वजह उदारीकरण से अमीर हुए वर्ग का यहां सिमटना भी बदलाव का एक पक्ष है। शराब की खपत या नशे का चलन हर कहीं बढ़ा है लेकिन अमीरी से शराब की बिक्री का सीधा रिश्ता है और शराब की खपत के साथ की और चीजों की मांग और खपत भी बढ़ती है। मांसाहार ऐसी एक चीज है। बढ़ने को तो उत्तर प्रदेश के हर जिले में शराब की मांग बढ़ी है (बिहार के सीमावर्ती जिलों में और भी ज्यादा) लेकिन गाजियाबाद और नोएडा का जोड़ नहीं है। हरियाणा में भी गुड़गांव और फरीदाबाद सबसे आगे है। जाहिर तौर पर बाजार इससे खुश है लेकिन बहुत बड़ा वर्ग ऐसा है जो लागत, कीमत और टैक्स बढ़ाने से महंगी हुई शराब नहीं ले पा रहा है। यह जमात बढ़ता जा रहा है। अनाज की कीमतों, न्यूट्रल अल्कोहल और कांच समेत पैकेजिंग के अन्य मटेरियल की कीमत बढ़ाने से शराब उद्योग पर भी जोर बढ़ा है। सरकार और उसके पास दाम और टैक्स बढ़ाने का विकल्प है लेकिन सोने के अंडों की चाह में मुर्गी हलाल हुई तो कुछ भी नहीं मिलेगा। इसके साथ ही यह भी सच है कि शराब पीने से जुड़े उत्पाद भी बढ़ते गए हैं-खासकर कमजोर और दिहाड़ी करने वाले वर्ग में। जहां ठेकों से सस्ती शराब का विकल्प है वहां भी वह क्या नुकसान करती है इस बारे में कोई अध्ययन करने या कराने की फुरसत किसी को नहीं है।

छाछ: गर्मी और तनाव को करता है दूर, जानें इसके जबरदस्त फायदे

नई दिल्ली। छाछ न केवल स्वाद में लाजवाब है, बल्कि सेहत और सौंदर्य के लिए भी वरदान है। गर्मियों में शरीर को ठंडक देने से लेकर तनाव कम करने तक, छाछ के अनगिनत फायदे हैं। आइए, आसान भाषा में जानते हैं कि कैसे छाछ आपकी सेहत और खूबसूरती को निखार सकती है।

छाछ पाचन तंत्र के लिए बेहद फायदेमंद है। भुने हुए जीरे के साथ इसका सेवन करने से पेट की गर्मी, कब्ज और अपच जैसी समस्याओं से राहत मिलती है। यह शरीर में तरलता बनाए रखता है, जिससे डिहाइड्रेशन का खतरा कम होता है। गर्मियों में रोजाना एक गिलास छाछ पीने से पेट हल्का और तरोताजा रहता है।

अगर आप बढ़ते वजन से परेशान हैं, तो छाछ में सेंधा नमक डालकर पीना शुरू करें। यह मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है और वजन कम करने में मदद करता है। उच्च रक्तचाप के मरीजों के लिए गिलोय का चूर्ण छाछ के साथ लेना फायदेमंद है। इसके अलावा, सुबह-शाम पतली लस्सी या छाछ पीने से दिमाग तेज होता है और स्मरण शक्ति बढ़ती है।

बार-बार हिचकी आने की समस्या हो, तो एक चम्मच सौंठ छाछ में मिलाकर पीने से तुरंत आराम मिलता है। अगर जी मचल रहा हो या उल्टी की शिकायत हो, तो छाछ में थोड़ा जायफल घिसकर मिलाएं और पी लें। यह पेट को शांत करता है और राहत देता है।

छाछ सिर्फ सेहत ही नहीं, सौंदर्य के लिए भी कमाल की है। छाछ में आटा मिलाकर बनाया गया लेप चेहरे पर लगाने से झुर्रियां कम होती हैं और त्वचा चमकदार बनती है। मुहांसों से छुटकारा पाने के लिए गुलाब की जड़ को छाछ में पीसकर चेहरे पर लगाएं। इसके अलावा, बासी छाछ से सप्ताह में दो बार बाल धोने से बालों का झड़ना कम होता है और वे मजबूत बनते हैं।

अत्यधिक तनाव से जूझ रहे लोगों के लिए छाछ एक प्राकृतिक उपाय है।

रक्षा में आत्मनिर्भरता के बढ़ते कदमों से बढ़ती सैन्य-ताकत

– ललित गर्ग –

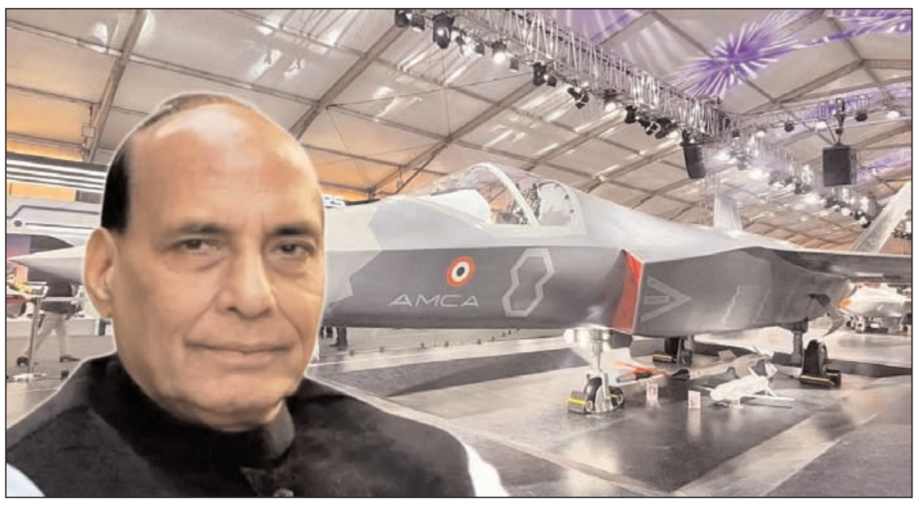

ऑपरेशन सिंदूर की शानदार कामयाबी, पाकिस्तान को करारी चोट पहुंचाने, विश्व को भारत की सैन्य ताकत दिखाने और अपने सैनिकों के अद्भुत पराक्रम के प्रदर्शन की गौरवपूर्ण स्थितियों के बीच एक बड़ी खुशखबरी है कि भारत सरकार ने पांचवीं पीढ़ी के स्वदेशी लड़ाकू विमान (एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट यानी एएमसीए) के प्रोडक्शन मॉडल को मंजूरी देते हुए इस परियोजना पर आगे बढ़ने को हरी झंडी दिखा दी है। निश्चित ही इस फैसले से दुनिया की महाशक्तियां चौंकी है, वहीं यह भारतवासियों के लिये एक नई आशा एवं संभावनाभरी खुशखबरी है। क्योंकि दुनिया की महाशक्ति बनने के लिये सैन्य साजो-सामान की दृष्टि से आत्म निर्भर होना प्रथम प्राथमिकता है। दुनिया पर वर्चस्व स्थापित करने का यह सबसे बड़ा आधार है कि हम सैन्य साजो सामान में स्वावलम्बी ही नहीं, निर्यातक बने। क्योंकि उन्हें दूसरे देशों से खरीदने में विदेशी पूंजी का व्यय होने के साथ कई तरह के दबावों का भी सामना करना पड़ता है। दूसरे देश अपनी शर्तों पर ये हमें उपलब्ध कराते हैं, अर्थ का व्यय भी स्वदेशी उत्पादन की तुलना में बहुत ज्यादा करना पड़ता है। जबसे रक्षा सामग्री के निर्माण में निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाई गई है, तब से भारत का रक्षा निर्यात तेजी से बढ़ा है। रक्षा मंत्रालय के ताजा फैसले के बाद सरकारी और निजी क्षेत्र की कंपनियों के शेयर जिस तरह उछले, उससे यही पता चलता है कि देश रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर होने के लिए नई दिशाओं को उद्घाटित कर रहा है।

निश्चित ही पांचवीं पीढ़ी के उन्नत लड़ाकू विमानों का देश में ही निर्माण करने और उसमें निजी क्षेत्र का सहयोग लेने की रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की घोषणा एक ऐसा फैसला है, जो दूरगामी एवं देशहित का सराहनीय कदम है। ऐसे फैसलों में बिना विलम्ब के प्रोत्साहन एवं सहयोग होना चाहिए। हमें निश्चित करना चाहिए कि आधुनिक लड़ाकू विमानों के निर्माण तय समय में हो, इसके लिए हरसंभव उपाय किए जाने चाहिए। ऐसे फैसलों से भारत की ताकत बढ़ती है, दुनिया की अधीनता कमतर होती है। गौरतलब है, अभी तक अमेरिका, रूस और चीन ने ही पांचवीं पीढ़ी के स्वदेशी लड़ाकू विमान बनाने में सफलता हासिल की है। इस योजना के जरिये दुनिया को यह संदेश देना है कि भारत अब पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान खरीदने की बजाय खुद बनाने का काम करेगा। इस स्वदेशी विमान के डिजाइन और विकास के लिए सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति ने हाल ही में पन्द्रह हजार करोड़ रुपये की राशि मंजूर की थी। अब रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी (एडीए) इस प्रोजेक्ट का नेतृत्व करेगी और डीआरडीओ के मुखिया की मानें, तो अगले एक दशक में यह लड़ाकू विमान भारतीय वायु सेना के बेड़े का हिस्सा होगा। निस्संदेह, हमारे रक्षा वैज्ञानिकों की सराहना की जानी चाहिए कि उनके अथक परिश्रम, तकनीकी कौशल और मेधा के कारण देश जल्द ही सुरक्षा साजो-सामान के मामले में भी आत्म-निर्भर बन जाएगा। इन स्थितियों के लिये जहां रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की सराहना होनी चाहिए वही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व का लोहा मानना चाहिए।

मौजूदा समय में भारत लड़ाकू विमान के मामले में दूसरे देशों पर निर्भर है। सरकार ने इस दिशा में भी आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। इस फैसले से घरेलू एयरोस्पेस इंडस्ट्री को सशक्त बनाने में मदद मिलेगी। एएमसीए का विकास भारतीय वायु सेना की लड़ाकू क्षमताओं को मजबूत करने और देश की रक्षा को बढ़ावा देने में मील का पत्थर साबित होगा। पडोसी देशों की हरकतों, युद्ध की संभावनाओं एवं षडयंत्रों को देखते हुए आने वाले समय में होने वाले युद्ध में वायुसेना की क्षमता और तकनीक को अधिक सशक्त बनाने की अपेक्षा है। भारत हमेशा से एक शांतिकामी मुल्क रहा है, मगर अपनी सरहदों व विशाल आबादी की सुरक्षा के लिए वह दूसरे देशों के हथियारों या सुरक्षा उपकरणों पर पूरी तरह निर्भर नहीं रह सकता। विदेशी लड़ाकू विमानों या हथियारों की खरीद में उनके तकनीकी हस्तांतरण को लेकर कई तरह की पेचीदगियां पेश आती हैं। कई देश उन्नत रक्षा उपकरण तो दे देते हैं, लेकिन उनकी तकनीक नहीं देते या फिर उनके कलपुर्जे देने में देरी करते हैं। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि पर्याप्त संख्या में तेजस लड़ाकू विमान बनाने में इसलिए विलंब हो रहा है, क्योंकि अमेरिका उनके लिए इंजन देने में आनाकानी कर रहा है। इसलिए एचएएल, डीआरडीओ की स्थापना की जरूरत मससूस की गई थी और आज इनके बनाए हथियार न सिर्फ हमारी सैन्य शक्ति का हिस्सा बन रहे हैं, बल्कि इस वजह से हमारा 20 फीसदी से भी अधिक सैन्य आयात कम हुआ है। आज हम अपने स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस दुनिया को बेचने की स्थिति में हैं।

मौजूदा समय में लड़ाकू विमान के लिए भारत अमेरिका और पश्चिमी देशों और रूस पर निर्भर है। देश में लड़ाकू विमानों की कमी भी है। ऐसे में सरकार स्वदेशी निर्मित आधुनिक लड़ाकू विमान के निर्माण को बढ़ावा देने की दिशा में कदम उठाकर सूझबूझ एवं दूरगामी सोच का परिचय दिया है। आज जब युद्ध के तौर-तरीके बदल रहे हैं, तब भारत को हर तरह की रक्षा सामग्री स्वदेश में ही बनाने में इसलिए सक्षम होना होगा, क्योंकि ऐसा करके ही वह सच्चे अर्थों में महाशक्ति बन सकता है। प्रारंभ में विदेशी कंपनियों का सहयोग लेने में हर्ज नहीं, क्योंकि ऐसा करके ही तेजी के साथ उन्नत रक्षा समाग्री का निर्माण किया जा सकता है। भारत आधुनिक रक्षा उपकरण एवं तकनीक का निर्माण करने में सक्षम है, इसे आपरेशन सिंदूर ने साबित भी कर दिया। हमारे रक्षा उपकरणों और तकनीक ने जिस तरह तुर्किये के ड्रोन की हवा निकालने के साथ चीनी एयर डिफेंस की पोल खोल दी, उसे विश्व भर के रक्षा विशेषज्ञ भी मान रहे हैं। रूस के सहयोग से बनी ब्रह्मोस मिसाइल और स्वदेशी तकनीक पर आधारित आकाश ने सिद्ध किया कि हमारे रक्षा विज्ञानी किसी से कम नहीं। उन्हें भरपूर प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है।

भारत की रक्षा सेना दुनिया में सबसे शक्तिशाली और सम्मानित सेनाओं में से एक है, जो अपने आकार, ताकत और उन्नत तकनीक के साथ वैश्विक मंच पर धूम मचा रही है। चाहे सीमाओं पर गश्त करना हो, आसमान की सुरक्षा करनी हो या विशाल हिंद महासागर को सुरक्षित रखना हो, भारत की सेना एक ऐसी ताकत है जिसका लोहा माना जाना चाहिए। भारत का लक्ष्य सिर्फ.वैश्विक सैन्य शक्तियों के साथ बने रहनाभर नहीं है-यह उनके साथ है बल्कि अब उससे आगे भी आना है। किसी भी युद्ध या संघर्ष में वायु सेना की भूमिका निर्णायक हो चली है। हमास-इजरायल जंग हो या रूस-यूक्रेन लड़ाई, इस तथ्य को पूरी दुनिया स्वीकारती है। ऑपरेशन सिंदूर के जरिये हमारी वायु सेना ने भी दिखा दिया है कि किस सटीकता से शत्रुओं के लक्ष्य को मटियामेट करने में वह सक्षम है। ऐसे में भारतीय वायु सेना की जरूरतों पर गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है। वर्तमान में, भारत दुनिया में चौथे स्थान पर है, जो केवल संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस और चीन से पीछे है। यह स्थान इसके उन्नत विमान, बेहतर प्रशिक्षण और रणनीतिक महत्व के संयोजन के कारण अर्जित किया गया है। बहुमुखी राफेल जेट से लेकर शक्तिशाली सुखोई अपने रास्ते में आने वाली किसी भी चुनौती से निपटने के लिए सुसज्जित है। निश्चित ही भारत ने एक ऐसा सैन्य बल बनाया है जो ध्यान आकर्षित करता है, जिसमें विशाल जनशक्ति, अत्याधुनिक तकनीक और गहन रणनीतिक फोकस का संतुलन है। यह अब सिर्फ. एक क्षेत्रीय खिलाड़ी नहीं है; भारत खुद को एक प्रमुख वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित कर रहा है। भारतीय वायुसेना के पायलट दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पायलटों में से हैं, जो न केवल हार्डवेयर बल्कि मानवीय तत्व के कारण हवाई प्रभुत्व बनाते हैं। चाहे वह सीमाओं पर खतरों का जवाब देना हो या हवाई श्रेष्ठता सुनिश्चित करना हो, भारत की वायु सेना अपनी रक्षा रणनीति में एक प्रमुख खिलाड़ी है, जो हमेशा आसमान की रक्षा के लिए तैयार रहती है।

मोदी ने संसद को सरकार का रसोई घर बना दिया

– अनिल जैन

जिन बातों की जानकारी दुनिया के तमाम देशों को देने के लिए भारत के वर्तमान व पूर्व सांसद और राजदूत आदि भेजे गए हैं, उन्हीं बातों को संसद में बताने से सरकार क्यों कतरा रही है? भारतीय सेना की ओर से हर दिन एक नया वीडियो जारी किया जा रहा है, जिनमें बताया जा रहा है कि सेना ने कैसे ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया।

बात 1962 के अक्टूबर-नवंबर की है। भारत और चीन के बीच युद्ध चल रहा था। यह युद्ध भारत के उत्तर और पूर्वी सीमा क्षेत्र में चीन के हमले के बाद शुरू हुआ था। तब भारत को आजाद हुए महज 15 साल हुए थे। पंडित जवाहरलाल नेहरू की लोकप्रियता चरम पर थी और वे लोकसभा में लगभग तीन चौथाई बहुमत के साथ देश के प्रधानमंत्री बने हुए थे। देश पर कांग्रेस का एकछत्र राज था। कांग्रेस के मुकाबले संख्या बल के लिहाज से विपक्ष आज के मुकाबले कितना कमजोर था, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी थी, जिसके लोकसभा में महज 27 सदस्य थे। बाकी विपक्षी पार्टियों के संख्या बल का अंदाजा लगाया जा सकता है।

युद्ध के दौरान भारतीय जनसंघ (आज की भाजपा) की ओर से यह नहीं कहा गया था कि हम पूरी तरह भारतीय सेना और सरकार के साथ हैं। यह कहने के बजाय जनसंघ की ओर से जगह-जगह नेहरू सरकार की रक्षा और विदेश नीति की आलोचना करते हुए प्रदर्शन किए जा रहे थे। यद्यपि सर्वदलीय बैठकों में नेहरू और उनके मंत्री विपक्ष के तमाम सवालों का जवाब दे चुके थे लेकिन जनसंघ के युवा सांसद अटल बिहारी वाजपेयी लगातार संसद की आपात बैठक बुलाने के मांग कर रहे थे, जिस पर नेहरू ने युद्ध के दौरान 8 नवंबर को संसद का विशेष सत्र बुलाया। कुछ विपक्षी सांसदों ने संसद का 'गोपनीय सत्र' बुलाने का भी सुझाव दिया था, जिसे नेहरू ने यह कहते हुए नकार दिया था कि लोकतंत्र में जनता को उसके द्वारा चुनी गई संसद की कार्यवाही के बारे में जानकारी होना चाहिए।

पूरे एक सप्ताह तक चले संसद के उस सत्र में नेहरू ने कहा था, 'चीन ने हमारे साथ धोखा किया है।'' उन्होंने यह मानने में भी कोई संकोच नहीं दिखाया था कि भारत इस हमले के लिए पूरी तरह तैयार नहीं था। पूरे एक सप्ताह तक चले उस सत्र में ही संसद ने सर्वसम्मति से वह ऐतिहासिक संकल्प पारित किया था कि भारत अपनी एक-एक इंच जमीन चीनी कब्जे से मुक्त कराएगा। वह संकल्प किसी एक व्यक्ति, एक पार्टी या किसी सरकार का नहीं बल्कि भारतीय संसद का यानी भारतीय जनता का था, लेकिन याद नहीं आता कि पिछले ग्यारह साल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की संसद और सरकार ने कभी उस संकल्प को पूरा करने की दिशा में कुछ किया हो।पिछले 11 वर्षों से यह जरूर हो रहा है कि चीन जब-तब भारतीय सीमा का अतिक्रमण करते हुए भारत की कुछ न कुछ जमीन कब्जा कर लेता है लेकिन प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार खामोश बनी रहती है। यह स्थिति तब है जब मोदी अपने सभी पूर्ववर्ती प्रधानमंत्रियों को अपने मुकाबले कमजोर और नाकारा बताते रहते हैं। उनकी पार्टी और सरकार का ढिंढोरची बन चुका गोदी मीडिया भी आए दिन फर्जी सर्वे के जरिये उन्हें देश का अब तक सबसे लोकप्रिय, शक्तिशाली और विजनरी प्रधानमंत्री और प्रभावशाली विश्व नेता बताता रहता है। बहरहाल, चीनी हमले से जुड़ा यह पूरा संदर्भ बताने का मकसद यह है कि उस समय संसद का कितना महत्व होता था और प्रधानमंत्री संसद को लेकर कितने संवेदनशील होते थे। अभी भारत और पाकिस्तान के बीच महज चार दिन की सैन्य झड़प हुई, जिसे लेकर सभी विपक्षी दलों ने एक स्वर में कहा कि वे पूरी तरह वे भारतीय सेना और सरकार के साथ हैं। यहां तक कि पहलगाम में जो आतंकवादी हमला इस सैन्य टकराव की वजह बना था, उस हमले को लेकर भी विपक्ष ने सरकार से कोई सवाल नहीं किया था।

महाराणा प्रताप: शौर्य, बलिदान एवं साहस का अमिट आलेख

– ललित गर्ग –

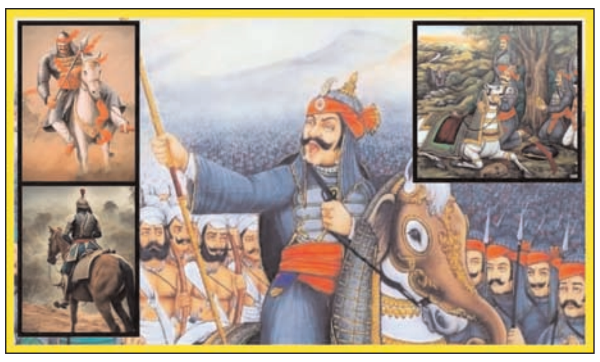

हमारा देश भारत जिसे आस्था और विश्वास, शौर्य एवं शक्ति, बहादुरी और साहस, राष्ट्रभक्ति और स्वाभिमान की वीरभूमि कहा जाता है, जहां की सभ्यता और संस्कृति विश्व की प्राचीनतम संस्कृति में शुमार है, जिसका अनुसरण संपूर्ण विश्व करता है। भारत की भूमि महान योद्धाओं की भूमि रही है, जिन्होंने भारत की एकता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऐसे ही एक वीर एवं साहसिक योद्धा एवं सच्चे भारतीय महानायक थे महाराणा प्रताप, जो राजपूतों के सिसोदिया वंश से संबंध रखते थे। महाराणा को भारत का प्रथम स्वतंत्रता सेनानी भी कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने कभी अकबर के सामने समर्पण नहीं किया। मुगल साम्राज्य के विस्तार के विरुद्ध उनके प्रबल प्रतिरोध ने उन्हें भारतीय इतिहास में अमर बना दिया है। हल्दीघाटी के युद्ध में अकबर की विशाल सेना का सामना करते हुए उन्होंने जो वीरता दिखाई, वह आज भी शौर्य, पराक्रम, राष्ट्रभक्ति और स्वाभिमान की प्रेरणा देती है। उनके जीवन की घटनाएं गौरवमय इतिहास बनी है। वे एकलौते ऐसे महान् राजपूत योद्धा थे, जिन्होंने अकबर को चुनौती देने का साहस ही नहीं दिखाया बल्कि युद्ध के मैदान में लोहे के चने चबवाये।

महाराणा प्रताप का जन्म 9 मई 1540 को राजस्थान के कुंभलगढ़ में हुआ था। जो हिंदू पंचांग के अनुसार ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि थी। जो इस वर्ष 29 मई को मनाई जाएगी। युवावस्था में ही महाराणा प्रताप ने तलवारबाजी, घुड़सवारी और युद्धनीति में महारत हासिल कर ली थी। उनकी जन्म जयंती न केवल उनके जन्म का उत्सव है, बल्कि उनके आदर्शों, विरासत और भारत की सांस्कृतिक धरोहर में दिए गए उनके अमूल्य योगदान का सम्मान भी है। महाराणा प्रताप और मुगल सम्राट अकबर के सेनापति राजा मानसिंह के बीच 8 जून 1576 में हल्दीघाटी का युद्ध हुआ था। महाराणा प्रताप ने लगभग 20 हजार सैनिकों के साथ 85 हजार की मुगल सेना से बहुत ही साहस, शौर्य, पराक्रम एवं बहादुरी के साथ सामना किया। दोनों सेनाओं के बीच गोगुडा के नजदीक अरावली पहाड़ी की हल्दीघाटी शाखा के बीच यह युद्ध हुआ। इस लड़ाई को हल्दीघाटी के युद्ध के नाम से जाना जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस युद्ध में न तो अकबर जीत सका और न ही राणा हारे। मुगलों के पास सैन्य शक्ति अधिक थी तो राणा प्रताप के पास जुझारू शक्ति की कोई कमी नहीं थी। उन्होंने आखिरी समय तक अकबर से संधि की बात स्वीकार नहीं की और मान-सम्मान के साथ जीवन व्यतीत करते हुए लड़ाइयां लड़ते रहे।

इस युद्ध में उनका प्रिय घोड़ा चेतक भी वीरगति को प्राप्त हो गया, लेकिन इसके बाद भी महाराणा प्रताप ने हार नहीं मानी और युद्ध जारी रखा। मुगल शासक अकबर ने मेवाड़ पर अपना अधिकार स्थापित करने की भरपूर कोशिश की। लेकिन महाराणा प्रताप ने कभी भी अकबर की अधीनता को स्वीकार नहीं किया और जीवन भर मुगलों के खिलाफ स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए संघर्ष करते रहे। उनका परिवार बहुत ही कठिन परिस्थितियों में रहा। वे कई सालों तक जंगलों, गुफाओं और पहाड़ियों में रहे। उन्होंने पेड़ों की छाल से बने साधारण कपड़े पहने और जंगली फल और जड़ें खाईं। उनकी पत्नी और बच्चे कभी-कभी घास की रोटी खाते थे। फिर भी, उन्होंने कभी आत्मसमर्पण नहीं किया या मुगलों के साथ समझौता नहीं किया। उनके शौर्य और वीरता की कहानी को आज भी बहुत ही गर्व के साथ याद किया जाता है। राजस्थानी भाषा के ख्यात कन्हैयालाल सेठिया की प्रसिद्ध राजस्थानी कविता “पातल और पीथल” हल्दीघाटी युद्ध के बाद की घटनाओं पर आधारित राणा प्रताप के जीवन में आई कठिनाइयों और उनके संघर्ष को दर्शाती है।

आजाद भारत में महाराणा प्रताप जैसे शूरवीरों के त्याग एवं बलिदान, शौर्य एवं पराक्रम को विस्मृत करने की चेष्टायें व्यापक पैमाने पर हुई है। हमने इन असली महानायकों को भूलाकर अकबर एवं औरंगजेब जैसे आक्रांताओं को नायक बनाने की भारी भूल की है, नायक अकबर नहीं महाराणा प्रताप हैं, उन्होंने औरंगजेब को घुटने टेकने पर मजबूर किया और घुट-घुट कर मरने पर मजबूर किया। सनातन धर्म को नष्ट करने की साजिश करने वाले भारत के नायक कैसे हो सकते? अकबर हो या औरंगजेब, हिन्दुओं एवं हिन्दू राष्ट्र के प्रति सबकी मानसिकता एक ही थी- भारत की सनातन परंपरा को रौंदने के लिए तमाम षड्यंत्र रचना एवं भारत की समृद्ध विरासत को लूटना। इसके विपरीत, महाराणा प्रताप ने अपने बलिदान से सनातन संस्कृति की रक्षा की। ये राष्ट्रनायक हमारी असली प्रेरणा हैं।

भारतीय इतिहास में जितनी महाराणा प्रताप की बहादुरी की चर्चा हुई है, उतनी ही प्रशंसा उनके घोड़े चेतक को भी मिली। कहा जाता है कि चेतक कई फीट ऊंचे हाथी के मस्तक तक उछल सकता था। कुछ लोकगीतों के अलावा हिन्दी कवि श्यामनारायण पांडेय की वीर रस कविता “चेतक की वीरता” में उसकी बहादुरी की खूब तारीफ की गई है। जब मुगल सेना महाराणा के पीछे लगी थी, तब चेतक उन्हें अपनी पीठ पर लादकर 26 फीट लंबे नाले को लांघ गया, जिसे मुगल फौज का कोई घुड़सवार पार न कर सका। मेवाड़ की जनजाति “भील” कहलाती है। भीलों ने हमेशा हर संकट एवं संघर्ष के क्षणों में महाराणा प्रताप साथ दिया। एक किवदंती है कि महाराणा प्रताप ने अपने वंशजों को वचन दिया था कि जब तक वह चित्तौड़ वापस हासिल नहीं कर लेते, तब तक वह पुआल यानी घास पर सोएंगे और पेड़ के पत्ते पर खाएंगे। आखिर तक महाराणा को चित्तौड़ वापस नहीं मिला। उनके वचन का मान रखते हुए आज भी कई राजपूत अपने खाने की प्लेट के नीचे एक पत्ता रखते हैं और बिस्तर के नीचे सूखी घास का तिनका रखते हैं।

महाराणा प्रताप का बचपन भील समुदाय के साथ बिता, भीलों के साथ ही वे युद्ध कला सीखते थे, भील अपने पुत्र को कीका कहकर पुकारते है, इसलिए भील महाराणा को भी कीका नाम से पुकारते थे। महाराणा प्रताप का दिल और दिमाग ही नहीं, बल्कि उनका शरीर भी साहसी एवं लोह समान था। कहा जाता है कि महाराणा प्रताप 7 फीट 5 इंच लंबे थे। वह 110 किलोग्राम का कवच पहनते थे, वह 25-25 किलो की 2 तलवारों के दम पर किसी भी दुश्मन से लड़ जाते थे। महाराणा प्रताप एक महान पराक्रमी और युद्ध रणनीति कौशल में दक्ष थे। उन्होंने मुगलों के बार-बार हुए हमलों से मेवाड़ की रक्षा की। उन्होंने अपने पूरे जीवन में कभी भी अपनी आन, बान और शान के साथ समझौता नहीं किया। उनको धन-दौलत की नहीं बल्कि मान-सम्मान की ज्यादा परवाह थी। अकबर के सामने महाराणा पूरे आत्मविश्वास से टिके रहे। एक ऐसा भी समय था, जब लगभग पूरा राजस्थान मुगल बादशाह अकबर के कब्जे में था, लेकिन महाराणा अपना मेवाड़ बचाने के लिए अकबर से 12 साल तक लड़ते रहे।

'आग से खेल रहे हैं पुतिन', रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच ट्रंप ने फिर दी चेतावनी

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को चेतावनी दी है कि वह रूस-यूक्रेन युद्ध में 'आग से खेल रहे' हैं। रूस-यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के जल्द खत्म होने के कोई संकेत नहीं दिख रहे। ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल पोस्ट में लिखा, 'व्लादिमीर पुतिन को यह एहसास नहीं है कि अगर मैं नहीं होता, तो रूस के साथ बहुत बुरी चीजें पहले ही हो चुकी होती और सचमुच मेरा मतलब यह है कि बहुत बुरी चीजें। वह आग से खेल रहे हैं। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने रविवार को पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की दोनों पर तीखी टिप्पणियां की थीं। ट्रंप ने न्यू जर्सी के मॉरिसटाउन से वाशिंगटन लौटने के लिए एयर फोर्स वन में चढ़ने से पहले पत्रकारों से कहा, मैं पुतिन के कामों से खुश नहीं हूं। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि पुतिन को आखिर क्या हो गया है। हालांकि, रविवार शाम को ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट किया कि पुतिन पूरी तरह पागल हो गए हैं। इसके बाद उन्होंने जेलेंस्की पर भी टिप्पणी की और कहा कि वह अपने देश का कोई भला नहीं कर रहे क्योंकि वह जिस तरह बात कर रहे हैं, वह ठीक नहीं है। यह टिप्पणी जेलेंस्की के रविवार को रूस के हालिया हमलों पर अमेरिका की चुप्पी की आलोचना करने वाले बयानों के जवाब में थी।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री अमेरिका में, रणनीतिक तकनीकी सहयोग और व्यापार वार्ता पर की चर्चा

वाशिंगटन । विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने (भारतीय समयानुसार) को अमेरिकी अवर सचिव जेफरी केसलर से मुलाकात की और इंडिया-यूएस स्ट्रेटेजिक ट्रेड डायलॉग (भारत-अमेरिका रणनीतिक व्यापार वार्ता) के शीघ्र आयोजन पर चर्चा की। इसके साथ ही महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों में द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों को लेकर गंभीर मंत्रणा की। यह मुलाकात रणनीतिक महत्व के क्षेत्रों में नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच उच्च स्तरीय सहयोग को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वाशिंगटन में आयोजित बैठक में मौजूदा ढांचे को मजबूत करने और दोनों देशों के बीच प्रमुख तकनीकी और व्यापार पहलों पर गति बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। वाशिंगटन में भारतीय दूतावास ने एक्स को बताया, विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों में भारत-अमेरिका सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए अवर सचिव जेफरी केसलर से मुलाकात की। उन्होंने तकनीकी और व्यापार सहयोग को गहरा करने के लिए भारत-अमेरिका रणनीतिक व्यापार वार्ता के शीघ्र आयोजन पर भी चर्चा की। मिस्री वर्तमान में संयुक्त राज्य अमेरिका की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं, इस दौरान उनका ट्रंप प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों से मिलने का कार्यक्रम है। विदेश मंत्रालय (एमईए) के अनुसार, उनकी यह यात्रा फरवरी 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के बाद हो रही है, जहां दोनों नेताओं ने भारत-अमेरिका समझौता - सैन्य साझेदारी, त्वरित वाणिज्य और प्रौद्योगिकी के लिए अवसरों को बढ़ावा देना - 21वीं सदी के लिए रणनीतिक सहयोग को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया एक ढांचा लॉन्च किया था।

वेनेजुएला ने अपने नागरिकों से अमेरिका जाने बचने का आग्रह किया

कराकस। वेनेजुएला ने अपने नागरिकों से अमेरिका जाने से बचने का आग्रह किया गया। विदेश मंत्री यवन गिल ने टेलीग्राम पर एक यात्रा चेतावनी जारी की। उन्होंने कथित मानवाधिकार उल्लंघन का हवाला देते हुए कहा कि अमेरिका में वेनेजुएला के लोगों को निर्वासन, परिवार से अलग होने और मनमाने ढंग से हिरासत में लिए जाने का खतरा है। उन्होंने अमेरिका पर 'प्रवासन ब्लैकमेल' का उपयोग करने और ज़ेनोफ़ोबिया को बढ़ावा देने का भी आरोप लगाया। यह चेतावनी अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा अमेरिकियों और कानूनी निवासियों को वेनेजुएला की यात्रा न करने की सलाह दिए जाने के कुछ घंटों बाद आई।

ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में आग लगने से एक की मौत, एक लापता

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया में सिडनी के भीतरी-पश्चिमी उपनगरों में एक घर में आग लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य लापता है। ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) राज्य की पुलिस ने बुधवार को एक बयान में कहा कि आपातकालीन सेवाओं ने बुधवार को स्थानीय समयानुसार तड़के चार बजे के बाद मध्य सिडनी से आठ किलोमीटर पश्चिम में क्रॉयडन में आग लगने की रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया दी। बयान में कहा गया है कि आग बुझाने के बाद घर के अंदर एक व्यक्ति का शव मिला और आग के कारण काफी नुकसान हुआ है। अग्निशमन और बचाव अधीक्षक एडम डेवबेरी ने घटनास्थल पर संवाददाताओं को बताया कि घर में रहने वाले दूसरे व्यक्ति का पता नहीं चल पाया है और छत के ढहने से संपत्ति की तलाशी करने में मुश्किलें हो रही है। उन्होंने कहा, अग्निशमन दल घर में घुसे और तलाशी ली, हालांकि आग की तीव्रता और छत के गिरने की वजह से उन्हें वापस लौटना पड़ा।

नॉर्वे में नाविक की गलती से विशाल मालवाहक जहाज घर के पास पहुंच गया

एजेंसी

ओस्लो (नॉर्वे)। विशाल मालवाहक जहाज (443 फीट लंबा एनसीएल साल्टेन) यूक्रेनी नाविक की नींद लग जाने से एक घर के पास पहुंच गया। बचावकर्मियों ने सूचना मिलते ही कड़ी मशक्कत के बाद उसे वापस पानी में खींचा। नॉर्वे पुलिस ने 30 वर्षीय नाविक पर लापरवाह नेविगेशन का आरोप लगाया है। सीबीएस न्यूज के अनुसार, यह मालवाहक जहाज दुनिया भर में सुर्खियों में रहा। यह जहाज नाविक की नींद लग जाने की वजह से नॉर्वे में एक घर से कुछ मीटर की दूरी पर फंस गया। इस घर पर रहने वाले जोहान हेलबर्ग ने इसकी पुष्टि की। इस जहाज पर कंटेनर लोड थे। राहत और बचाव कंपनी बीओए ऑफशोर के प्रबंध निदेशक ओले टी. ब्योर्नविक ने कहा कि इसे 30 मिनट में पानी पर पहुंचा दिया गया। अभियोजक केजेटिल ब्रुलैंड सोरेंसन ने आरोपित यूक्रेनी नाविक से पूछताछ की है। नाविक ने कहा है कि

मालवाहक जहाज के किसी भी अलार्म ने काम नहीं किया। इस वजह से ऐसा हुआ। नॉर्वे पुलिस का कहना है कि जांच इस बात की भी की जा रही है कि नाविक ने जहाज पर काम के घंटों और आराम की अवधि के नियमों का पालन किया या नहीं। मकान मालिक जोहान हेलबर्ग ने कहा कि वह सो रहे थे। अचानक घबराए हुए पड़ोसी ने उनके दरवाजे की घंटी बजाई और उन्हें फोन किया। हेलबर्ग ने टेलीविजन चैनल टीवी 2 को बताया कि दरवाजे की घंटी उस समय बजी जब वह दरवाजा खोलना पसंद नहीं करते। जहाज ने उनके घर के केबिन में हीटिंग पाइप को नुकसान पहुंचाया है। वह जानी नुकसान न होने पर खुद को भाग्यशाली मानते हैं। उन्होंने कहा कि अगर जहाज उनके घर के ठीक बगल में चट्टान से टकराता, तो कुछ भी हो सकता था। नॉर्वे पुलिस का कहना है कि चालक दल के सभी 16 सदस्य सुरक्षित हैं।

इस जहाज के मालिक और शिपिंग कंपनी के सीईओ बेंटे हेटलैंड ने कहा कि यह जहाज पहले भी दो बार फंस चुका है। पहली बार 2023 में हैडसेल और दूसरी बार 2024 में एलेसंड में ऐसा हो चुका है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, यह वाकया नॉर्वे के ट्रॉनहेम शहर के बायनेसेट में हुआ। मकान मालिक हेलबर्ग सेवानिवृत्त संग्रहालय निदेशक हैं। उन्होंने कहा कि बड़े जहाज कभी-कभी हमारे घर के पास से गुजरते हैं।

भारतीय सेना की 22 सदस्यीय टोली माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने में सफल

एजेंसी

काठमांडू। भारतीय सेना की 22 सदस्यीय टीम ने आज दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट (8,848 मीटर) पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की है। इस अभियान का नेतृत्व

लेफ्टिनेंट कर्नल भानू पाठक ने किया था। भारत के रक्षा मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और भारतीय सेना के जन सूचना महानिदेशालय (एडीजीपीआई) सहित भारतीय अधिकारियों ने माउंट एवरेस्ट चोटी पर सफलतापूर्वक चढ़ाई के लिए बधाई दी है। सेना की तरफ से बयान जारी कर इसकी जानकारी देते हुए पर्वतारोहण मिशन को उच्च ऊंचाई वाले प्रशिक्षण और साहसिक गतिविधियों में शामिल होने के भारतीय सेना के व्यापक प्रयासों का हिस्सा बताया गया है। बयान में सेना की इस उपलब्धि को दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर सैन्य नेतृत्व वाले अभियानों के रिकॉर्ड को बढ़ाने की बात कही गई है। भारतीय सेना के माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई के दौरान नेपाली अधिकारियों ने मानक पर्वतारोहण प्रोटोकॉल के अनुसार टीम के साथ समन्वय किया था।

श्रीलंका के पूर्व मंत्री सिल्वा के खिलाफ हाई कोर्ट में अभियोग दायर, पुराने केस में नहीं मिली जमानत

एजेंसी

कोलंबो। भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किए गए पूर्वमंत्री मर्विन सिल्वा पर आज शिकंजा और कस गया। भ्रष्टाचार जांच आयोग ने पूर्व मंत्री सिल्वा के खिलाफ हाई कोर्ट में अभियोग दायर किया है। उन पर भ्रष्टाचार विरोधी नियमों का उल्लंघन करते हुए वैध आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप है। श्रीलंका के उपाली मीडिया समूह के सिंहली भाषा के समाचार पत्र 'दिवैना' की खबर के अनुसार किरीबाथगोडा शहर में निर्माण के लिए अधिग्रहित सरकारी भूमि के जाली दस्तावेज तैयार करने के आरोप में गिरफ्तार किए गए छह संदिग्धों में पूर्व राज्य मंत्री प्रसन्ना राणावीरा और पूर्व संसदीय मामलों के मंत्री मर्विन सिल्वा शामिल हैं। महारा न्यायालय की प्रथम मजिस्ट्रेट कंचना डी सिल्वा ने इस जालसाजी में गिरफ्तार सरथ कुमारा एदिरिसिंघे उर्फ ??सिंगापुर सरथ की जमानत याचिका खारिज करते हुए छह संदिग्धों को 9 जून तक न्यायिक हिरासत में रखने का आदेश

दिया। पूर्व मंत्री मर्विन सिल्वा के वकील मैत्री गुणरत्ने ने कल दाखिल जमानत अर्जी पर सेहत का हवाला दिया था। मजिस्ट्रेट ने कहा था कि 9 जून को आदेश सुनाया जाएगा। आपराधिक जांच विभाग के वित्तीय अपराध जांच प्रभाग की पुलिस सार्जेंट प्रियंता डेंजिल ने अदालत को सूचित किया कि वांछित छठे संदिग्ध केलानिया प्रदेशीय सभा के पूर्व सदस्य मिलरॉय परेरा को आत्मसमर्पण करने के बाद हिरासत में लिया गया है।

यूक्रेन और रूस ने पूरी रात एक-दूसरे के क्षेत्रों में दागे ड्रोन

एजेंसी

कीव/मॉस्को। रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष विराम की बनती-बिगड़ती स्थिति के बीच दोनों देशों के निर्दोष लोग मारे जा रहे हैं।साथ ही सार्वजनिक और निजी चल-अचल संपत्ति को नुकसान हो रहा है। यूक्रेन ने दावा किया उसने रात को रूस के 43 ड्रोन मार गिराए। इसी के समानांतर रूस ने कहा कि उसने यूक्रेन के 99 ड्रोन को नष्ट कर दिया। कीव इंडिपेंडेंट अखबार के अनुसार यूक्रेन के क्षेत्रीय अधिकारियों ने बताया कि पिछले दिन यूक्रेन के खिलाफ रूसी हमलों में कम से कम दो नागरिक मारे गए और कम से कम 19 अन्य घायल हो गए। यूक्रेन की वायुसेना के अनुसार रूसी सेना ने कुर्स्क, ओरेल, मिलरोवो, प्रिमोर्स्क-अख्तरस्क और क्रीमिया से रात भर में 60 ड्रोन दागे। यूक्रेन की वायुरक्षा प्रणाली ने इनमें से 43 ड्रोन को मार गिराया। अन्य आठ ड्रोन बिना किसी नुकसान के रडार से गायब हो गए। डोनेट्स्क ओब्लास्ट के रोजकिशने गांव में एक पुरुष सुमी ओब्लास्ट में एक महिला की मौत हो गई। गवर्नर ओलेक्सांद्र प्रोकुडिन ने बताया कि

हमलों में दो बच्चों सहित आठ लोग घायल भी हुए हैं। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी तास के अनुसार रूसी रक्षा मंत्रालय ने बताया कि 26 मई को मास्को समयानुसार रात 8:00 बजे से 27 मई को सुबह 7:00 बजे तक यूक्रेन के 99 मानव रहित ड्रोन को नष्ट कर दिया गया। मध्य रूस के व्लादिमीर क्षेत्र के गवर्नर अलेक्जेंडर अवदेयेव ने टेलीग्राम पोस्ट में बताया कि ड्रोन हमले में मुरोम के एक औद्योगिक क्षेत्र में तीन इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं। इस दौरान इवानोवो युजनी हवाई अड्डे, कलुगा ग्रैबत्सेवो हवाई अड्डे, निजनी नोवगोरोड स्ट्रिगिनो हवाई अड्डे, तांबोव डोंस्कॉय हवाई अड्डे, यारोस्लाव टुनोशना हवाई अड्डे और सारातोव गगारिन हवाई अड्डे पर उड़ानों के आगमन और प्रस्थान पर प्रतिबंध लगा दिया गया।

गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहे विपक्षी दलों ने संसद अवरुद्ध किया

एजेंसी

काठमांडू। काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रहे इमिग्रेशन विभाग द्वारा बड़े पैमाने पर मानव तस्करी का धंधा चलाए जाने के खुलासे के बाद से ही गृह मंत्री रमेश लेखक पर इस्तीफे का दबाव बढ़ गया है। विपक्षी दलों ने गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए संसद की कार्रवाई नहीं चलने दी। नेपाल के गृह मंत्रालय के अधीन रहे इमिग्रेशन विभाग के कर्मचारियों और गृह मंत्री के निजी सचिवालय के सदस्यों के बीच मानव तस्करी के लिए सांठगांठ होने की जानकारी सामने आते ही विपक्षी दलों ने गृह मंत्री रमेश लेखक के इस्तीफे की मांग पर अड़े हुए हैं। विपक्षी दलों का कहना है कि जब तक गृह मंत्री का इस्तीफा नहीं आ जाता तब तक संसद की कार्रवाई नहीं चलने दी जाएगी। आज संसद की कार्रवाई शुरू होते ही माओवादी सहित सभी विपक्षी दलों ने गृह मंत्री के इस्तीफा

देने और मानव तस्करी से जुड़े मामले में न्यायिक जांच समिति का गठन नहीं होने तक संसद नहीं चलने दी जाएगी। माओवादी के उप-महासचिव वर्षमान पुन ने कहा कि मानव तस्करी का मामला सीधे-सीधे गृह मंत्री रमेश लेखक से जुड़ा है, इसलिए उनका इस्तीफा नहीं देने तक संसद नहीं चलने दिया जाएगा। माओवादी की तरह राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के सांसद शिशिर खनाल ने कहा कि सरकार द्वारा गृह मंत्री की तरफ से सफाई देने की पेशकश को ठुकरा दिया गया है। खनाल का कहना है कि आरोपित मंत्री को सफाई नहीं, इस्तीफा देना चाहिए। उनका कहना है कि रमेश लेखक जब विपक्ष में थे तो उन्होंने इसी संसद में तत्कालीन गृह मंत्री रवि लामिछने से एक मुद्दे में सिर्फ आरोप लगने पर इस्तीफे की मांग की थी, इसलिए नैतिकता के आधार पर आज लेखक को भी अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग का माओवादी और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के साथ ही राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी, एकीकृत समाजवादी पार्टी सहित कई अन्य दलों ने समर्थन किया है। सिर्फ विपक्षी दल ही नहीं बल्कि गृह मंत्री के अपनी पार्टी नेपाली कांग्रेस के भी कई नेताओं ने उन्हें इस्तीफा देने की सलाह दी है।

प्रधानमंत्री नेतन्याहू पहुंचे तेल अवीव कोर्ट, भ्रष्टाचार के मुकदमे में दी सफाई

एजेंसी

तेल अवीव। फिलिस्तीनी आतंकी समूह हमास के साथ गाजा में छिड़ी जंग में उलझे इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को भ्रष्टाचार के मुकदमे का सामना करना पड़ रहा है। इस माह आज वह दूसरी बार तेल अवीव जिला न्यायालय पहुंचे और सफाई दी। यह मुकदमा अमेरिकी व्यवसायी शेल्डन एडेलसन और नेतान्याहू के बीच हुई समझौता वार्ता से जुड़ा है। इससे पहले उन्होंने 12 मई को अदालत के समक्ष अपना पक्ष रखा था। द टाइम्स ऑफ इजराइल अखबार की खबर के अनुसार नेतन्याहू ने कहा कि वह

चाहते थे कि शेल्डन एडेलसन इजराइल के मीडिया परिदृश्य में विविधता लाने के लिए निवेश करें। उन्होंने कहा, मुझे सामान्य रूप से याद है कि मैंने इजरायल में मीडिया के विविधीकरण को गति देने के लिए जो कर सकता था, प्रयास किया। आरोप है कि एडेलसन ने इजराइल में एक समाचार वेबसाइट में निवेश किया। एक समय तो इस वेबसाइट को नेतन्याहू का आधिकारिक समाचार मंच माना गया। नेतन्याहू ने कहा कि उनका मानना था कि अखबार अब अतीत की बात हो चुके हैं। नेतन्याहू से आज अदालत में येदिओथ अहरोनोथ समाचार पत्र के प्रकाशक अर्नोन मोजेस के वकील ने जिरह की। न्यायाधीशों ने सुनवाई को जल्द समाप्त करने के नेतन्याहू के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया।

बांग्लादेश में सरकारी सेवा अध्यादेश का विरोध, ढाका में सचिवालय की सुरक्षा बढ़ाई गई

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के हालिया सरकारी सेवा (संशोधन) अध्यादेश-2025 का विरोध तेज हो गया है। सरकारी कर्मचारी गुस्से में हैं। उन्होंने अध्यादेश वापस न लेने पर देशव्यापी आंदोलन की चेतावनी दी है। सरकार ने राजधानी ढाका स्थित सचिवालय पर प्रवेश पर पाबंदी लगा दी है। साथ ही सचिवालय की सुरक्षा बढ़ाते हुए उसे छावनी में बदल दिया गया है। बांग्ला ट्रिब्यून के अनुसार, सरकारी कर्मचारियों का विरोध प्रदर्शन शुरू होने से पहले सचिवालय की सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है। हालांकि, सुरक्षा की जिम्मेदारी आमतौर पर पुलिस और एपीबीएन के जवानों की होती है, लेकिन बीजीबी और एसडब्ल्यूएटी के सदस्यों को भी तैनात किया गया है। सरकारी सेवा (संशोधन) अध्यादेश-2025 को वापस लेने की मांग को लेकर

कर्मचारियों के विरोध प्रदर्शन को लेकर सचिवालय में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। यद्यपि सचिवालय की सुरक्षा सामान्यतः पुलिस और एपीबीएन के जवान ही जिम्मेदार होते हैं, लेकिन बीजीबी और एसडब्ल्यूएटी सदस्यों को भी तैनात किया गया है। आज सुबह करीब 10 बजे सचिवालय के आसपास ऐसी सुरक्षा व्यवस्था देखी गई। सचिवालय में सुबह 8 बजे से ही पुलिस, एपीबीएनएन, बीजीबी और स्वाट के जवानों का पहरा है। सुबह करीब 10:20 बजे आरएबी के जवान भी पहुंच गए। आरएबी के उप सहायक निदेशक मोहम्मद सिराजुल इस्लाम ने कहा कि सचिवालय की सुरक्षा में आरएबी की दो टीमों को लगाया गया है। सचिवालय के सभी द्वारों पर सुरक्षा का सख्त इंतजाम किया गया है। मुख्य द्वार के सामने स्वाट का हथियारबंद वाहन खड़ा किया गया। सरकारी सेवा (संशोधन) अध्यादेश-2025 को वापस लेने और अन्य मांगों को लेकर भेदभाव विरोधी कर्मचारी एकता मंच ने आज लगातार दूसरे दिन विरोध प्रदर्शन किया है। इस बीच ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (डीएमपी) ने बैठकों और सभाओं पर प्रतिबंध लगा दिया है। सोमवार को गृह मंत्रालय ने घोषणा की कि सचिवालय में सभी प्रकार के आगंतुकों के प्रवेश पर रोक रहेगी।

भारत में नक्सली समस्या का समाधान दमन से नहीं, बल्कि वार्ता के माध्यम से हो : माओवादी पार्टी

एजेंसी

काठमांडू। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में भारतीय सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में मारे गए नक्सली केशव राव उर्फ बसवराज की मौत को दुखद घटना बताया है। माओवादी पार्टी के अध्यक्ष पुष्प कमल दहाल 'प्रचंड' की अध्यक्षता में हुई बैठक में बसवराज की मौत पर एक मिनट का मौन रखा गया। माओवादी के उपाध्यक्ष तथा प्रवक्ता अग्नि सापकोटा की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि बसवराज सहित अन्य नक्सली नेताओं का मारे जाने की घटना बहुत ही संवेदनशील है और इसका दीर्घकालिक असर पड़ने वाला है। बयान में कहा गया है कि नक्सली समस्या का समाधान दमन से नहीं, बल्कि वार्ता के माध्यम से किया जाना चाहिए। इस बयान में यह भी कहा गया है कि नए विकल्प की तलाश कर राजनीतिक तरीके से इसका समाधान किया जाना चाहिए। हाल ही में, 21 मई 2025 को छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में हुए एक बड़े एनकाउंटर में नक्सली संगठन भाकपा (माओवादी) के महासचिव नंबाला केशव राव उर्फ बसवराज को मार गिराया गया था, जिस पर कुल मिलाकर 10 करोड़ रुपये का इनाम था।

नेपाल कम्युनिष्ट पार्टी (माओवादी केन्द्र)
Communist Party of Nepal (Maoist Centre)
प्रेस विज्ञप्ति

द कोरिया में कथित विद्रोह के कारण पूर्व प्रधानमंत्री, पूर्व उप प्रधानमंत्री के देश छोड़ने पर प्रतिबंध

सोल। दक्षिण कोरिया की पुलिस ने पूर्व प्रधानमंत्री हान डक-सू और पूर्व उप प्रधानमंत्री चोई सांग-मोक को कथित विद्रोह के आरोपों में प्रतिबंधित कर दिया है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक हान और चोई पर

विद्रोह के जिम्मेदार संदिग्ध के रूप में जांच चल रही है तथा इस महीने के मध्य में उन्हें देश छोड़ने से रोक दिया गया है। पुलिस की विशेष जांच इकाई ने हान और चोई के साथ-साथ पूर्व आंतरिक मंत्री ली सांग-मिन को भी सोमवार को पूछताछ के लिए बुलाया, जिन पर पिछले दिसंबर में देश छोड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। तीन पूर्व सरकारी अधिकारियों पर पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल द्वारा मार्शल लॉ लागू करने के असफल प्रयास में शामिल होने का संदेह हैं, जिन्हें अप्रैल में पद से हटा दिया गया था।

दुनिया के हर बड़े आतंकी हमले के पीछे पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका में भारत ने किया बेनकाब

एजेंसी

जोहानिसबर्ग। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत के खिलाफ दुष्प्रचार कर रहे पाकिस्तान के कुटिल चेहरे से आतंकवाद की किरचें धीरे-धीरे उधड़नी लगी हैं। भारतीय संसदीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य दुनिया के प्रमुख देशों को आतंकवाद की फैक्टरी चला रहे पाकिस्तान के झूठ और फरेब के साथ सिंधु जल संधि को स्थगित करने के कारणों से अवगत करा रहे हैं। भारतीय प्रतिनिधिमंडल को चारों तरफ से आतंकवाद के खिलाफ शुरू की गई इस लड़ाई में अटूट समर्थन मिल रहा है। दक्षिण अफ्रीका की राजधानी जोहानिसबर्ग में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) सांसद सुप्रिया सुले के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल के सदस्य भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि जो पहलगाम में हुआ वो दुखद था। जब पाकिस्तान ने इसपर 15 दिन तक कोई कार्रवाई नहीं की तब भारतीय सेना ने पाकिस्तान के नौ आतंकी ठिकानों पर हमला किया। भारत ने लगातार शांति और दोस्ती का संदेश देने का प्रयास किया है। भारत ने एक ही बात कही है कि हम किसी को छेड़ते नहीं और अगर हमें कोई छेड़ता है तो हम उसे छोड़ेंगे नहीं। प्रतिनिधिमंडल के सदस्य कांग्रेस नेता आनंद शर्मा ने कहा कि हम भारत के लोगों की पीड़ा और आक्रोश बताने के लिए दक्षिण अफ्रीका आए हैं। आज के विश्व में आतंकवाद का कोई स्थान नहीं है। यह (पहलगाम आंतकी हमला) पहली बार नहीं हुआ है। लंबे समय से भारत पर हमले हुए हैं। दुनिया ने देखा है कि जब भी कहीं पर बड़े आतंकी हमले हुए हैं, तो

पाकिस्तान का नाम सामने आया है। सुप्रिया सुले ने कहा कि सभी को एक स्वर में दुनिया को आतंकवाद की निंदा करनी चाहिए। भारत अब किसी भी भारतीय के खिलाफ किसी भी तरह की आतंकी हिंसा को बर्दाश्त नहीं करेगा । भारत ने कभी भी युद्ध की पहल नहीं की। पनामा सिटी में कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि प्रधानमंत्री ने नरेन्द्र मोदी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि ऑपरेशन सिंदूर आवश्यक था क्योंकि आतंकवादी आए और उन्होंने 26 महिलाओं को उनके पति और उनके विवाहित जीवन से वंचित करके उनके माथे से सिंदूर मिटा दिया। उन्होंने पनामा विधानसभा अध्यक्ष डाना कास्टानेडा के साथ बैठक में कहा कि हम सभी अलग-अलग राजनीतिक पृष्ठभूमि और भारत के अलग-अलग हिस्सों से आते हैं लेकिन हम राष्ट्रीय उद्देश्य में एकजुट हैं। जब पाकिस्तान ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद कोई कार्रवाई नहीं की तब ऑपरेशन सिंदूर को अजाम दिया गया। भारत ने पाकिस्तान के अंदर आतंकवादी ठिकानों के ज्ञात मुख्यालयों पर हमला किया। हमें युद्ध शुरू करने में कोई दिलचस्पी नहीं थी लेकिन हमें लगा कि आतंकवादी कृत्य को दंडित किए बिना नहीं छोड़ा जाना चाहिए। इस अवसर पर भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा कि पाकिस्तान के पास खोने के लिए कुछ नहीं है लेकिन भारत आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। प्रधानमंत्री मोदी का दुनिया को संदेश है कि अगर आप हमला करेंगे तो हम चुप नहीं रहेंगे। शिवसेना सांसद मिलिंद देवड़ा ने कहा कि भारत शांति प्रिय देश है। मगर अधर्म के खिलाफ लड़ाई लड़ना केवल उचित नहीं, बल्कि अनिवार्य है। भाजपा सांसद शशांक मणि ने कहा कि नया भारत समझ गया है कि आतंकवाद का एक ही मुकाबला है कि आतंकवादियों के ठिकानों का पता लगाया जाए और उन्हें ध्वस्त किया जाए और यही ऑपरेशन सिंदूर ने किया।

लक्ष्य श्योराण और नीरू ढांडा दूसरे शॉटगन नेशनल ट्रायल में शीर्ष पर

एजेंसी

नई दिल्ली। डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित दूसरी शॉटगन नेशनल ट्रायल्स की ट्रैप फ़ाइनल स्पर्धा में लक्ष्य श्योराण और नीरू ढांडा ने क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग में पहला स्थान प्राप्त किया। लक्ष्य ने क्वालिफिकेशन में 120 अंक हासिल करते हुए फ़ाइनल के लिए क्वालिफाई किया और फ़ाइनल में 43 अंक के साथ जीत दर्ज की। उन्होंने जसविंदर सिंह को दो अंकों से हराया, जिन्होंने 41 अंक के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। महिला वर्ग के फ़ाइनल में, राष्ट्रीय खेलों की स्वर्ण पदक विजेता नीरू ढांडा ने आशिमा अहलावत को 40-39 के करीबी अंतर से हराते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। ओलंपियन राजेश्वरी कुमारी ने 31 अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि भौनीश मेंदीरत्ता ने पुरुष वर्ग में 33 अंक के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। इससे पहले क्वालिफिकेशन राउंड में, जगशेर एस. वीरक ने 119 अंक हासिल करते हुए लक्ष्य के बाद फ़ाइनल के लिए क्वालिफाई किया। राष्ट्रीय चैंपियन शार्दुल विहान, जसविंदर सिंह, भौनीश मेंदीरत्ता और रैयान रिज़वी ने क्रमशः 118, 117, 116 और 116 अंकों के साथ टॉप छह में जगह बनाई। ओलंपियन्स काइनन चेनाई (114), पृथ्वीराज टोंडईमान (112) और वर्ल्ड कप फ़ाइनल्स के सिल्वर मेडलिस्ट विवान कपूर (113) फ़ाइनल में जगह बनाने से चूक गए।

सांबा में जिला स्तरीय टूर्नामेंट का दूसरा दिन, 246 बालिका खिलाड़ियों ने ली भागीदारी

सांबा। जिला युवा सेवा एवं खेल विभाग सांबा द्वारा रानी सुचेत सिंह स्टेडियम में आयोजित अंतर-क्षेत्रीय जिला स्तरीय टूर्नामेंट का दूसरा दिन है। चल रहे इस टूर्नामेंट में क्रिकेट (अंडर-17 लड़के) और वॉलीबॉल, कबड्डी और खो-खो (अंडर-14 और अंडर-17 लड़कियां) शामिल हैं। जिला युवा सेवा एवं खेल अधिकारी धर्मवीर सिंह सहित अन्य पदाधिकारी इस अवसर पर उपस्थित थे और उन्होंने खिलाड़ियों का स्वागत किया। खेलों को बढ़ावा देने और नशे से दूर रहने की शपथ ली गई। सांबा जिले के सभी पांच जोनों से कुल 246 बालिका खिलाड़ी बड़े उत्साह के साथ भाग ले रही हैं। डीवाईएसएसओ ने सभी प्रतिभागियों को उनके समर्पण और उत्साही प्रदर्शन के लिए बधाई दी।

डोडा में जिला स्तरीय बालिका कबड्डी टूर्नामेंट में 220 छात्राओं ने लिया हिस्सा

डोडा। आज इंडोर स्पोर्ट्स स्टेडियम डोडा में अंडर-14 और अंडर-17 बालिकाओं के लिए अंतर-क्षेत्रीय जिला स्तरीय कबड्डी टूर्नामेंट का चौथा दिन था। यह आयोजन वाईएसएस के महानिदेशक राजिंदर सिंह तारा के निर्देशन और जिला युवा सेवा एवं खेल अधिकारी डोडा प्रीतम सिंह के मार्गदर्शन में किया जा रहा है।

टूर्नामेंट की शुरुआत बहुत उत्साह के साथ हुई और इसमें युवा एथलीटों के बीच अनुशासन, टीम वर्क और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना देखने को मिली। आज के कार्यक्रम विशेष रूप से बालिका अंडर-14 और अंडर-17 कबड्डी मैचों के लिए समर्पित थे जिसमें सक्रिय भागीदारी और मजबूत प्रदर्शन देखने को मिला।लगभग 220 छात्राओं ने विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया और खेल भावना, एकता और उत्कृष्टता के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया।

आउटडोर गेम्स के लिए बच्चों को किया जाएगा प्रेरित : इकबाल

धर्मशाला। धर्मशाला पुलिस ग्राउंड में आयोजित की जा रही अंडर-15 फुटबाल टूर्नामेंट के दूसरे दिन आयुक्त नगर निगम जफर इकबाल ने प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए कहा कि धर्मशाला शहरी क्षेत्र में बच्चों को आउटडोर खेलों के लिए प्रेरित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं इसके साथ ही पार्क भी निर्मित किए जा रहे हैं ताकि बच्चे स्वस्थ जीवन शैली की ओर प्रेरित हो सकें। उन्होंने कहा कि खेलों के माध्यम से ही युवाओं को नशे से दूर रखा जा सकता है। उन्होंने फुटबाल एसोसिएशन द्वारा टूर्नामेंट आयोजित करने के प्रयासों की भी सराहना करते हुए कहा कि नगर निगम खेल आयोजनों को बढ़ावा देने के लिए हरसंभव मदद करेगी। इस अवसर पर एसडीएम मोहित रत्न, तहसीलदार गिरीराज भी विशेष तौर पर उपस्थित रहे। फुटबाल एसोसिएशन के अध्यक्ष वरूण गुप्ता ने बताया कि तीन दिवसीय इस प्रतियोगिता के ब्वायज वर्ग में हाई लैंड पब्लिक स्कूल, रोज पब्लिक स्कूल, एमटीपी पब्लिक स्कूल, आधुनिक पब्लिक स्कूल ने मैच जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है वहीं गर्ल्स के मुकाबलों में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला घरोह, डीपीएस तथा स्टैंनफोर्ड तथा अचीवर हब की टीमों ने सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है।

बैंगलोर को मिला क्वालिफायर-1 का टिकट, रोमांचक मुकाबले में लखनऊ को छह विकेट से हराया

एजेंसी

लखनऊ। आईपीएल 2025 के एक रोमांचक मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (RCB) ने लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) को छह विकेट से हराकर क्वालिफायर-1 में अपनी जगह पक्की कर ली। इस जीत के साथ आरसीबी ने 14 मैचों में 19 अंक के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर कब्जा किया है।

मैच का हाल

लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए ऋषभ पंत की शानदार शतकीय पारी की बदौलत 20 ओवर में तीन विकेट पर 227 रन बनाए। पंत ने 61 गेंदों में 118 रन की नाबाद पारी खेली, जिसमें 11 चौके और 8 छक्के शामिल थे। उनका साथ देते हुए मिचेल मार्श ने 37 गेंदों में 67 रन बनाए, जिसमें 4 चौके और 5 छक्के शामिल थे।

लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी ने 18.4 ओवर में चार विकेट पर 230 रन बनाकर आईपीएल इतिहास में सबसे बड़े रन चेज का रिकॉर्ड कायम किया। कार्यवाहक कप्तान जितेश शर्मा ने 33 गेंदों में नाबाद 85 रन की आक्रामक पारी खेली, जिसमें 8 चौके और 6 छक्के शामिल थे। उनका साथ देते हुए मयंक अग्रवाल ने 23 गेंदों में नाबाद 41 रन बनाए, जिसमें 5 चौके शामिल थे। विराट कोहली ने 30 गेंदों में 54 रन की पारी खेली, जिसमें 10 चौके शामिल थे। आरसीबी ने इसके साथ ही दूसरे टीम की घरेलू मैदान में लगातार सात मैच जीतने का रिकॉर्ड भी कायम किया।

दोनों टीमों की ताकत

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु : आरसीबी की ताकत उनके बल्लेबाजी क्रम में है, जिसमें विराट कोहली (548 रन, 145.36 स्ट्राइक रेट) और फिल सॉल्ट जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। जोश हेजलवुड की वापसी से उनकी गेंदबाजी और मजबूत हुई है, जो पावरप्ले और डेथ ओवरों में प्रभावी हैं। हालांकि, रजत पाटीदार का हालिया फॉर्म (पिछले 7 मैचों में 96 रन) चिंता का विषय है। आरसीबी का इस सीजन का रिकॉर्ड उनकी लय को दर्शाता है।

लखनऊ सुपर जायंट्स: लखनऊ की बल्लेबाजी मिशेल मार्श (560 रन, 161.85 स्ट्राइक रेट) और निकोलस पूरन (511 रन, 198.83 स्ट्राइक रेट) पर निर्भर है। पूरन ने इस सीजन में स्पिन के खिलाफ सबसे ज्यादा 40 छक्के लगाए हैं। गेंदबाजी में शार्दुल ठाकुर और दिग्वेश राठी (12-12 विकेट) प्रभावी रहे हैं। हालांकि, कप्तान ऋषभ पंत का खराब फॉर्म (सबसे कम स्ट्राइक रेट और औसत) चिंता का विषय है, लेकिन हाल के मैच में उनकी आक्रामकता उम्मीद जगाती है।

हेड-टू-हेड रिकॉर्ड

दोनों टीम अब तक 5 बार भिड़ चुकी है, जिसमें आरसीबी ने 3 और एलएसजी ने 2 मैच जीते है। जोश हेजलवुड ने एलएसजी के खिलाफ 3 मैचों में 9 विकेट लिए है, जबकि निकोलस पूरन ने आरसीबी के खिलाफ 3 मैचों में 236.17 के स्ट्राइक रेट से 111 रन बनाए हैं।

मध्य प्रदेश लीग ने आगामी सीजन के लिए किया टीम जर्सियों का अनावरण

एजेंसी

ग्वालियर। मध्य प्रदेश लीग (एमपीएल) ने एक समारोह के दौरान अपने आगामी सीजन के लिए सभी 10 फ्रेंचाइज़ी टीमों की जर्सियों का अनावरण किया। यह सीजन 12 जून से ग्वालियर के शंकरपुर स्थित श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में शुरू होने वाला है। पिछले साल भी एमपीएल का उद्घाटन सीजन यहीं खेला गया था। भव्य जर्सी अनावरण समारोह में पुरुषों और महिलाओं दोनों ही टीमों के लुक्स को पेश किया गया। समारोह के दौरान सभी खिलाड़ियों, टीम अधिकारियों और राज्य भर के गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी सहभागिता निभाई। ग्वालियर डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन (जीडीसीए) द्वारा मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में इस बार पुरुष टीमों की संख्या पांच से बढ़कर सात कर दी गई है। इस बार बुंदेलखंड और चंबल क्षेत्रों की टीमें भी प्रतियोगिता में शामिल होंगी। इस सीज़न में पहली बार महिला क्रिकेट लीग की भी शुरुआत की जा रही है, जो पुरुषों के मैचों के साथ ही आयोजित की जाएगी। महिला प्रतियोगिता में तीन टीमें भाग लेंगी, जिनमें भोपाल की टीम भी शामिल है। जर्सी अनावरण पर चेयरमैन महानआर्यमन सिंधिया ने कहा, जर्सी अनावरण का समारोह एक रोमांचक सीजन की शुरुआत का संकेत है। पहले सीजन की अपार सफलता और इस सीजन के उत्साह को देखकर यह कहना गलत नहीं होगा कि मध्य प्रदेश लीग क्रिकेट प्रतिभा और क्षेत्रीय गौरव का उत्सव बन चुकी है। इस बार हम न केवल लीग का विस्तार कर रहे हैं, बल्कि महिला प्रतियोगिता की शुरुआत भी कर रहे हैं, जो खेल के प्रति हमारी विचारधारा और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। चर्चा को आगे बढ़ाते हुए जीडीसीए अध्यक्ष प्रशांत मेहता ने कहा, मध्य प्रदेश लीग सीज़न 2 को लेकर हम बहुत उत्साहित हैं। टीम की जर्सियाँ उनके क्षेत्र और भावना को दर्शाती हैं और हमें विश्वास है।

मार्श-पंत की जोड़ी ने तोड़ा राहुल-डी कॉक का बड़ा रिकॉर्ड

एजेंसी

नई दिल्ली। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के लिए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में आरसीबी के खिलाफ मुकाबले में मिशेल मार्श और ऋषभ पंत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 152 रन की साझेदारी की। यह लखनऊ के लिए किसी भी विकेट के लिए दूसरे सबसे बड़ी साझेदारी रही। सबसे बड़ी साझेदारी का रिकॉर्ड केएल राहुल और क्विंटन डी कॉक की जोड़ी के नाम है। 2022 में नवी मुंबई में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ दोनों ने पहले विकेट के लिए 210 रनों की नाबाद साझेदारी की थी। इस ऐतिहासिक साझेदारी में केएल राहुल ने 51 गेंदों पर 68 और डी कॉक ने 70 गेंदों पर 140 रन बनाए, जिससे एलएसजी ने 20 ओवर में 2 विकेट पर 210 रन बनाए और 20 रन से जीत हासिल की। यह आईपीएल इतिहास की सबसे बड़ी साझेदारियों में से एक है। 2025 में मिशेल मार्श और ऋषभ पंत ने लखनऊ में आरसीबी के खिलाफ दूसरे विकेट के लिए 152 रनों की साझेदारी की। मार्श 156.83 की स्ट्राइक रेट से 67 रन बनाकर आऊट हुए जबकि पंत ने शतक लगाया। इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर राहुल और डी कॉक ही हैं जिन्होंने साल 2024 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ लखनऊ में 134 रनों की साझेदारी है। इस जोड़ी ने पावरप्ले में तेज शुरुआत दी, जिससे एलएसजी को जीत मिली। 2025 में मार्श और निकोलस पूरन ने गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ अहमदाबाद में तीसरे विकेट के लिए 121 रनों की साझेदारी की। पूरन ने 200.98 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए थे। यही नहीं, यह आरसीबी के खिलाफ भी दूसरे विकेट के लिए दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी रही। इससे पहले साल 2011 में धर्मशाला के मैदान पर एडम गिलक्रिस्ट और शॉन मार्श ने 206 रन की साझेदारी की थी। पंत और मार्श 152 रन की पार्टनरशिप के साथ दूसरे नंबर पर हैं। तीसरे नंबर पर जोस बटलर और संजू सैमसन हैं जिन्होंने साल 2024 में जयपुर के मैदान पर 148 रन बनाए थे।

आरसीबी के खिलाफ मिली हार के बाद पंत ने कहा-हम 40 ओवर अच्छी क्रिकेट नहीं खेल पाए

एजेंसी

लखनऊ। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के आखिरी लीग मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ 61 गेंदों पर नाबाद 118 रन की विस्फोटक पारी खेलने वाले ऋषभ पंत ने कहा कि इस बार वह शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने पर फोकस कर रहे थे, जो वह पिछले मैचों में नहीं कर पाए थे। हालांकि, उनकी इस शानदार पारी के बावजूद लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को 227 रन बनाने के बाद भी हार का सामना करना पड़ा। पंत ने इस हार पर कहा, हम 40 ओवर अच्छी क्रिकेट नहीं खेल पाए। मैच के बाद प्रेजेंटेशन में पंत ने कहा, हर मैच के साथ मैं अच्छा महसूस कर रहा था, लेकिन कई बार चीजें आपके मुताबिक नहीं होतीं। आज मैंने ठान लिया था कि अगर शुरुआत मिलती है तो उसे बड़े स्कोर में बदलना है, जैसे अनुभवी खिलाड़ी करते हैं। सबसे अच्छे खिलाड़ियों से यही सीखा है कि जब मौका मिले तो उसे भुनाओ। पंत का यह सीजन बल्ले से बेहद फीका रहा था। इस मुकाबले से पहले वह 12 पारियों में सिर्फ 151 रन ही बना पाए थे। उन्होंने बताया कि इस मैच में उन्होंने सीधा खेलने और

गैप्स तलाशने की रणनीति अपनाई, जो पहले काम नहीं कर पा रहे थे। उन्होंने कहा, मैंने सोचा कि गेंदबाज किस एंगल से गेंदबाजी करेंगे और उसी के मुताबिक खुद को ढालने की कोशिश की। सीधा खेलना, गैप्स देखना, सब कुछ सिंपल रखा और हर गेंद को एक जैसी गंभीरता से खेला।

गेंदबाजी में अनुभव की कमी ने लखनऊ को किया परेशान

एलएसजी की गेंदबाजी इस मैच में खास असर नहीं छोड़ पाई। विल ओ'रूर्क और शाहबाज अहमद ने मिलकर सिर्फ 7 ओवरों में 113 रन लुटा दिए। वहीं फील्डिंग में चूक और दिग्वेश राठी की बैकफुट नो-बॉल, जिस पर प्लेयर ऑफ द मैच जितेश शर्मा को जीवनदान मिला, टीम की हार का कारण बनी। पंत ने कहा,टी20 में सिर्फ 20 ओवर अच्छा खेलना काफी नहीं है। 40 ओवर पूरे मैच में अच्छा खेलना होता है और यही हमारी कहानी रही है। टूर्नामेंट से पहले कई खिलाड़ियों की चोटें थीं, जिसका असर पूरे सीजन में दिखा।

कुछ गेंदबाजों का प्रदर्शन रहा सराहनीय

एलएसजी ने इस सीजन 14 में से 6 मुकाबले जीतकर अंक तालिका में सातवां स्थान प्राप्त किया। हालांकि, पंत ने कुछ सकारात्मक पहलुओं की ओर भी इशारा किया। उन्होंने कहा, कुछ खास गेंदबाजी प्रदर्शन भी हुए हैं। दिग्वेश राठी का प्रदर्शन सराहनीय रहा, आवेश खान ने भी अहम ओवर फेंके। आकाश सिंह और आकाश दीप ने भी अच्छा किया। हमें मौके मिलते रहे, लेकिन हम उन्हें लंबे समय तक बरकरार नहीं रख पाए और यही हार की वजह बनी।

शीर्ष दो में जगह बनाना अद्भुत, लेकिन हमारा लक्ष्य ट्रॉफी जीतना है : शशांक सिंह

एजेंसी

जयपुर। पंजाब किंग्स के बल्लेबाज शशांक सिंह ने कहा कि टीम सामूहिक प्रयास से इंडियन प्रीमियर लीग की अंक तालिका में शीर्ष दो में जगह बनाने में सफल रही लेकिन काम अभी पूरा नहीं हुआ है और उनका लक्ष्य ट्रॉफी जीतना है। पंजाब किंग्स ने मुंबई इंडियंस को सात विकेट से हराकर प्लेऑफ में शीर्ष दो में अपना स्थान पक्का कर लिया है जिससे उसे फाइनल में पहुंचने के लिए दो मौके मिलेंगे। यह पिछले 11 वर्षों में पहला अवसर है जबकि पंजाब किंग्स ने प्लेऑफ में जगह बनाई। शशांक ने कहा, 'यह वास्तव में अद्भुत अहसास है। सबसे अच्छी बात यह है कि हमने सामूहिक प्रयास से इसे हासिल किया। नीलामी

के ठीक बाद हमने एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया और इस साल खिताब जीतने के बारे में बात की। हमारा पहला लक्ष्य शीर्ष दो में जगह बनाना था और हमने इसे हासिल कर लिया है। इस 33 वर्षीय इस खिलाड़ी ने कहा कि विश्वास और कड़ी मेहनत ही उनके सपने को वास्तविकता में बदलने की कुंजी थी। उन्होंने कहा, 'अपनी बात को जाहिर करना अलग चीज है और उस पर विश्वास करना अलग। हमने इसके लिए कड़ी मेहनत की है और इसका श्रेय पंजाब किंग्स से जुड़े हर एक व्यक्ति को जाता है। आईपीएल जैसी लीग में शीर्ष दो में रहना आसान नहीं है। शशांक ने कहा, 'शीर्ष दो में जगह बनाने से अभी काम पूरा नहीं हुआ है। हम ट्रॉफी जीतना चाहते हैं। चार जून को तड़के 12 बजे जब हम खिताब जीतने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में बैठे होंगे, तो मैं कह सकता हूं कि हां, हम दुनिया में शीर्ष पर हैं। शशांक उन कुछ खिलाड़ियों में शामिल थे जिन्हें मेगा नीलामी से पहले टीम में बरकरार रखा गया था, लेकिन टीम में आमूलचूल परिवर्तन किया गया।

एपीजीसी जूनियर चैम्पियनशिप में हिस्सा लेने हांगकांग पहुंची चार सदस्यीय भारतीय गोल्फ टीम

एजेंसी

हांगकांग। भारतीय गोल्फ यूनियन (आईजीयू) ने चार सदस्यीय भारतीय टीम को हांगकांग, चीन में आयोजित होने वाली प्रतिष्ठित एशिया-पैसिफिक गोल्फ कॉन्फेडरेशन (एपीजीसी) जूनियर चैम्पियनशिप में भाग लेने के लिए भेजा है। यह टूर्नामेंट हांगकांग गोल्फ क्लब में आज से शुरू हो रहा है। भारतीय टीम में लड़कों की ओर से कृष चावला और रणवीर मिट्टू जबकि लड़कियों की ओर से सान्वी सोमू और काशिका मिश्रा शामिल हैं। टीम के साथ गैर-खिलाड़ी कप्तान के रूप में डॉ. कोमल नरवर भी मौजूद हैं। यह तीन राउंड वाला टूर्नामेंट 27 से 29 मई तक चलेगा, जिसमें लड़कों और लड़कियों के व्यक्तिगत, टीम और मिक्स्ड टीम इवेंट शामिल होंगे। प्रतियोगिता स्ट्रोकप्ले फॉर्मेट में खेली जाएगी। लड़कों और लड़कियों की टीम के लिए उनके संयुक्त स्कोर को जोड़ा जाएगा, जबकि मिक्स्ड टीम की रैंकिंग के लिए टीम के सर्वश्रेष्ठ लड़के और लड़की के स्कोर को जोड़ा जाएगा। हांगकांग में मौसम आमतौर पर बादलों से घिरा हुआ है लेकिन बीच-बीच में धूप भी निकल रही है, जो गोल्फ के लिए एक आदर्श माहौल बनाता है।

इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप: इंडियन वॉरियर्स ने किया धमाकेदार आगाज़, अफ्रीकन लायंस को 7 विकेट से हराया

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप (आईएलसी) के पहले दिन का आगाज़ बेहद रोमांचक अंदाज़ में हुआ। मंगलवार रात उद्घाटन मुकाबले में शिखर धवन की इंडियन वॉरियर्स ने अफ्रीकन लायंस को 7 विकेट से शिकस्त देकर टूर्नामेंट में विजयी शुरुआत की।

अफ्रीकन लायंस ने रखा था 195 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफ्रीकन लायंस ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 195 रन बनाए। टीम के लिए शेखर सिरोही ने सिर्फ 26 गेंदों पर 65 रन की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें कई आकर्षक शॉट्स देखने को मिले। अंतिम ओवरों में शिवम शर्मा ने 14 गेंदों में 24 रन जोड़कर स्कोर को मजबूती दी।

धवन-पांचाल की ओपनिंग साझेदारी ने रखी जीत की नींव

195 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंडियन वॉरियर्स की शुरुआत तूफानी रही। शिखर धवन और कप्तान प्रियांक पांचाल ने पहले छह ओवर में ही 67 रन जोड़ दिए। हालांकि सातवें ओवर में टीम ने दो विकेट खो दिए, लेकिन इसके बाद पारी को पवन नेगी और केदार देवधर ने संभाला। वॉरियर्स की जीत में केदार देवधर ने 39 गेंदों में 60 रन और पवन नेगी ने 28 गेंदों में 57 रन की शानदार पारियां खेलीं। कप्तान पांचाल ने भी 17 गेंदों में तेज़ 38 रन बनाए। इन तीनों की आक्रामक बल्लेबाजी की बदौलत टीम ने 15 गेंद शेष रहते मुकाबला अपने नाम कर लिया।

मैच के बाद कप्तान प्रियांक पांचाल ने कहा,पहली जीत बहुत खास है। शिखर धवन जैसे अनुभवी खिलाड़ी के साथ खेलना मेरे लिए सम्मान की बात है। उन्होंने पारी के दौरान लगातार मार्गदर्शन किया, जिससे हमें लक्ष्य तक पहुंचने में आसानी हुई। लीग स्टेज 3 जून तक चलेगा, उसके बाद 4 जून को दोनों सेमीफाइनल और 5 जून को रात 7:30 बजे फाइनल मुकाबला खेला जाएगा।

डीबीएपी और जार्डन टाइगर्स ने जीता खिताब

प्रयागराज। डिस्ट्रिक्ट बास्केटबाल एसोसिएशन प्रयागराज (डीबीएपी) और जार्डन टाइगर्स ने द्वितीय डेकेथलान प्रयागराज बास्केटबाल लीग में क्रमशः बालक एवं बालिका वर्ग के खिताब पर कब्जा जमा लिया। मैरी ल्यूकस स्कूल कटरा में सोमवार रात खेले गये बालक वर्ग के फाइनल में डीबीएपी ने आर्मी डंकिन डैड्स को 14-8 से हराया। विजेता टीम के दिव्यांशु ने नौ, आर्य वीर ने चार, श्रीशांत ने एक अंक बनाये। पराजित टीम के साहिल ने पांच, अनुराग ने दो और सौरभ ने एक अंक बनाया। बालिका वर्ग के फाइनल में जार्डन टाइगर्स ने घोस्ट वेनम को 11-10 से हराया। विजेता टीम की नमस्वी ने सात, नित्या और खुशी ने दो-दो तथा पराजित टीम की निशि ने आठ एवं मान्या ने दो अंक बनाये। मुख्य अतिथि पूर्व अंतर राष्ट्रीय बास्केबाल खिलाड़ी आरएस बेदी, जिला बास्केबाल संघ के सचिव शील कुमार ओझा और प्रो. आरके उपाध्याय ने पुरस्कार वितरित किये।

गस एटकिंसन हैमस्ट्रिंग चोट के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर

एजेंसी

लंदन। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज गस एटकिंसन को हैमस्ट्रिंग की चोट के चलते वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर कर दिया गया है। यह सीरीज 29 मई से शुरू होगी, लेकिन इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि एटकिंसन की जगह किसी अन्य खिलाड़ी को टीम में शामिल नहीं किया जाएगा।

जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट में लगी चोट

एटकिंसन को यह चोट हाल ही में नॉटिंघम में जिम्बाब्वे के खिलाफ खेले गए एकमात्र टेस्ट मैच के दौरान लगी थी। इस मैच में उन्होंने कुल 19.2 ओवर की गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट हासिल किए थे। उनकी चोट इंग्लैंड की तेज गेंदबाजी में एक और बड़ा झटका है, क्योंकि इससे पहले जोफ्रा आर्चर भी इसी सीरीज से बाहर हो चुके हैं।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए फिटनेस जरूरी

इंग्लैंड टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि एटकिंसन 20 जून से भारत के खिलाफ शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले तक पूरी तरह फिट हो जाएंगे।

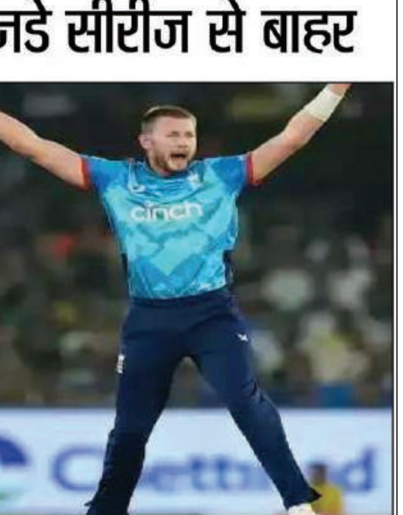

हैरी ब्रूक पहली बार स्थायी वनडे कप्तान के रूप में: इस सीरीज में हैरी ब्रूक पहली बार इंग्लैंड की वनडे टीम की कमान बतौर स्थायी कप्तान संभालेंगे। तीनों वनडे मुकाबले क्रमशः 29 मई (बर्मिंघम), 1 जून (कार्डिफ) और 3 जून (ओवल, लंदन) को खेले जाएंगे।

चोटों से जूझ रहा बांग्लादेश, पाकिस्तान के खिलाफ युवा तेज गेंदबाजों पर जताया भरोसा

एजेंसी

लाहौर। चोट के कारण सीनियर तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान और तस्कीन अहमद के बाहर होने के बाद बांग्लादेश के मुख्य कोच फिल सिमंस को उम्मीद है कि बाकी तेज गेंदबाज पाकिस्तान के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज में बेहतर प्रदर्शन करेंगे, जो बुधवार को लाहौर में शुरू होगी। तस्कीन टखने की चोट के कारण दो महीने से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से दूर हैं, जबकि मुस्तफिजुर को पिछले हफ्ते दिल्ली कैपिटल्स के लिए अपने अंतिम इंडियन प्रीमियर लीग 2025 मैच के दौरान अंगूठे में चोट लग गई थी। सिमंस ने कहा, 'आपको अपने सीनियर तेज गेंदबाजों की कमी खलेगी। जैसा कि हमने देखा, फिज (मुस्तफिजुर) उस समय आईपीएल में किस तरह की गेंदबाजी कर रहे थे। हमें उनकी कमी खलेगी। यह किसी के लिए इस सीरीज में उनकी जगह लेने का मौका भी है। उम्मीद है कि कोई गेंदबाज इस सीरीज में फिज की जगह लेना चाहेगा। इस फॉर्मेट में हमारी गेंदबाजी आमतौर पर हमारी मजबूती होती है। लेकिन दो वरिष्ठ गेंदबाजों, तस्कीन और फिज के बाहर होने से संतुलन बिगड़ा है। मुस्तफिजुर की अनुपस्थिति में चयनकर्ताओं ने खालिद अहमद को शामिल किया है। नाहिद राणा के प्रतिस्थापन खिलाड़ी को नहीं चुना गया है जिन्होंने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए दौरे से नाम वापस ले लिया है। खालिद के अलावा, तेज गेंदबाजी इकाई में तंजीम हसन साकिब, हसन महमूद और शोरीफुल इस्लाम शामिल हैं। ऑलराउंडर मेहदी हसन मिराज को भी चोटिल सौम्य सरकार की जगह लाया गया है ताकि उनके गेंदबाजी आक्रमण को मजबूत किया जा सके। यूएई से 2-1 से सीरीज हारने के बावजूद सिमंस आशावादी बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि टीम का मनोबल अच्छा है और लाहौर में शानदार प्रदर्शन के साथ वापसी करने को उत्सुक है। उन्होंने कहा, यूएई में सीरीज हारना मुश्किल था, लेकिन फिर कभी-कभी इससे आपका मनोबल बढ़ता है। हमारा मनोबल बहुत अच्छा रहा है, इसलिए हमें उम्मीद है कि (यूएई में परिणाम) हमारा मनोबल बढ़ाएगा। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि सीरीज जीतने का हमेशा अच्छा मौका रहता है। लोग कहते रहते हैं कि पाकिस्तान अच्छा नहीं खेल रहा है। फिर से, यह उस दिन होने वाली घटनाओं पर निर्भर करता है। हमारे पास यहां सीरीज जीतने का अच्छा मौका है।

हम सभी पहलुओं में सुधार करने की कोशिश में कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उम्मीद है कि हम इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। यह सीरीज बांग्लादेश के तेज गेंदबाजी विभाग के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत भी करेगी, जिसमें शॉन टैट दो साल के अनुबंध पर तेज गेंदबाजी कोच के रूप में अपने पहले काम के लिए कोचिंग स्टाफ में शामिल होंगे। सिमंस ने कहा कि स्पिन गेंदबाजी कोच मुश्ताक अहमद के साथ टैट, जो दोनों कराची किंग्स और पेशावर जाल्मी के साथ हाल ही में पाकिस्तान सुपर लीग में शामिल थे, विपक्षी टीम की ताकत के बारे में मूल्यवान जानकारी देंगे। सिमंस ने कहा, मुझे लगता है कि वह (टैट) न केवल गेंदबाजों के लिए, बल्कि पूरी टीम के लिए शानदार साबित होंगे। हम यहां स्थिति का आकलन करेंगे। मुशी क्रूरू में थे, इसलिए हम उनसे जानकारी लेंगे और अपने फैसले लेंगे। अनुभवी खिलाड़ियों के न होने के कारण अब युवा तेज गेंदबाजों पर जिम्मेदारी आ गई है। उनमें से सबसे अनुभवी शोरफुल इस्लाम से आगे बढ़कर नेतृत्व करने की उम्मीद की जाएगी।

'बिग बॉस' फेम

बंदगी कालरा

के घर लाखों की चोरी, बहन की शादी के लिए घर में रखे थे कैश

रियलिटी शो 'बिग बॉस 11' से मशहूर हुईं एक्ट्रेस और इन्फ्लुएंसर बंदगी कालरा के घर चोरी की खबर ने सबको चौंका दिया. बताया जा रहा है कि उनकी बहन की शादी से ठीक पहले दिल्ली स्थित उनके घर में लाखों की चोरी हुई है, जिसमें भारी नकदी और कीमती सामान गायब है. इस घटना के बाद से बंदगी काफी परेशान हैं और उन्होंने सिस्टम पर सवाल उठाते हुए पुलिस कार्रवाई में देरी को लेकर निराशा जताई है.दरअसल, हा ही में बंदगी कालरा ने खुद अपने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए घर पर हुई चोरी का खुलासा किया. उन्होंने बताया कि जब वो अपने घर लौटीं, तो देखा कि घर का सामान बिखरा पड़ा था और दरवाजों के ताले टूटे हुए थे.

चोर घर से नकदी, गहने और यहां तक कि सीसीटीवी कैमरे का एसडी कार्ड भी चोरी कर भाग गए थे. बंदगी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि उनकी बहन की शादी के चलते उन्होंने घर में बड़ी रकम रखी हुई थी. उन्होंने टूटे हुए ताले और अस्त-व्यस्त घर की तस्वीरें भी इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा की थी.

सिस्टम पर उठाए सवाल

चोरी की इस घटना के बाद बंदगी कालरा ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, लेकिन उनका कहना है कि शिकायत के 30 घंटे बीत जाने के बाद भी उन्हें कोई ठोस कार्रवाई होती नहीं दिखी. उन्होंने अपनी निराशा व्यक्त करते हुए कहा, हमारा सिस्टम इतना कमजोर और सुस्त है कि कार्रवाई करने के बजाय, वे आराम कर रहे हैं और खाना खा रहे हैं. मैंने कभी इतना असहाय महसूस नहीं किया. उन्होंने ये भी आशंका जताई कि पुलिस इस मामले को दबाने की कोशिश कर रही है.

परेशान हैं बंदगी

बंदगी ने सवाल उठाया कि जब ऐसी घटनाएं होती हैं तो लोग भारत से बाहर क्यों नहीं जाना चाहेंगे ? उन्होंने अपने फैंस से समर्थन की अपील की है और उम्मीद जताई है कि उन्हें जल्द न्याय मिलेगा. बंदगी के फैंस का कहना है कि इस तरह की घटना ने एक बार फिर आम लोगों की सुरक्षा और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं.

इधर युजवेंद्र चहल और

आरजे महवश

की डेटिंग की खबरें आईं, उधर धनश्री वर्मा ने कह दी ये बात

क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा ने दिसंबर 2020 में खूबसूरत तरीके से और ग्रैंड लेवल पर शादी की थी. हालांकि, उनकी शादी में आई खटास के चलते 20 मार्च, 2025 को उनका तलाक हो गया. युजवेंद्र लंबे वक्त से आरजे महवश के साथ अपनी डेटिंग की खबरों को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं. इस बीच, धनश्री ने पहली बार नई शुरुआत के बारे में बात की है.

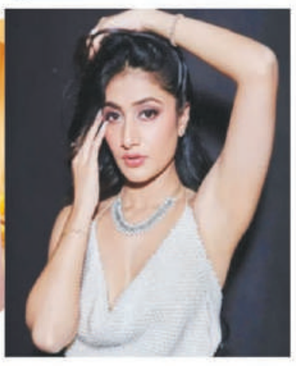

हाल ही में ईटाइम्स को दिए इंटरव्यू में धनश्री वर्मा ने युजवेंद्र चहल से तलाक के बाद नई शुरुआत के बारे में बात की. उन्होंने कहा, मैं हमेशा कहूंगी और मानूंगी कि प्यार जीवन का एक खूबसूरत पहलू है, और इसके बारे में आपकी समझ समय के साथ विकसित होती है. उन्होंने कहा, फिलहाल मैं अपने काम और करियर पर ध्यान दे रही हूं और साथ ही अपने व्यक्तिगत विकास पर भी काम कर रही हूं.

मेरा करियर और परिवार जरूरी

धनश्री वर्मा ने अपनी बात को पूरा करते हुए आगे कहा, भविष्य जो कुछ भी मेरे लिए लेकर आएगा, उसके लिए तैयार हूं, लेकिन अभी मेरे लिए मेरा करियर और मेरा परिवार ही सबसे ज़्यादा महत्वपूर्ण है. कोरियोग्राफर से यह भी पूछा गया कि वह पब्लिक जजमेंट को कैसे मैनेज करती हैं. उन्होंने बताया कि वह इन सबसे परेशान नहीं हैं. धनश्री ने आगे कहा कि उन्होंने खुद को आंतरिक शक्ति से घेर लिया है और पूरी तरह से अपने काम और जिम्मेदारियों पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं.

धनश्री वर्मा के जीवन का गोल

उन्होंने कहा, पहले दिन से ही नकारात्मकता और सार्वजनिक आलोचना ने मुझे कभी परेशान नहीं किया है और यह मुझे कभी परेशान नहीं करेगी. धनश्री वर्मा के अनुसार, 'शोर' को अनदेखा करना और रचनात्मक प्रतिक्रिया पर ध्यान केंद्रित करना उनका जीवन मंत्र है. उन्होंने बताया कि गोल सेट करना और उन्हें हासिल करने तक अपना सर्वश्रेष्ठ देना ही इन दिनों उनका लक्ष्य है.

मौत के बाद श्रीदेवी के मुंह में क्यों रखा गया था सोने का टुकड़ा?

हिंदी सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस रही श्रीदेवी की पॉपुलैरिटी किसी मेल सुपरस्टर की तरह थी. इंडस्ट्री में उन्हें 'लेडी अमिताभ बच्चन' भी कहा जाता था. हालांकि ये दिग्गज एक्ट्रेस अब हमारे बीच नहीं हैं. उनका करीब सात साल पहले निधन हो गया था. श्रीदेवी के अचानक निधन से देशभर में शोक की लहर दौड़ पड़ी थी और फैंस को बहुत बड़ा झटका लगा था. श्रीदेवी को आखिरी बार सुहागन की तरह सजाया गया था और उनके अंतिम संस्कार में लाखों की भीड़ उमड़ी थी.श्रीदेवी का अंतिम संस्कार विधिवत तरीके से किया गया था. उनके अंतिम संस्कार की हर रस्म को अच्छे तरीके से निभाया गया. लेकिन क्या आप जानते हैं कि मौत के बाद श्रीदेवी के मुंह में सोने का टुकड़ा भी रखा गया था. इसके पीछे एक बेहद खास वजह है. आइए इसके बारे में जानते हैं.

मौत के बाद श्रीदेवी के मुंह में क्यों रखा गया सोने का टुकड़ा ?

श्रीदेवी का जन्म 13 अगस्त 1963 को तमिलनाडु के मीनाम्पत्ति में हुआ था. वहीं एक्ट्रेस का निधन 24 फरवरी 2018 को दुबई में हो गया था. श्रीदेवी को अंतिम विदाई देने के दौरान उनके मुंह में परिवार के लोगों ने सोने का टुकड़ा रखा था. तमिल परंपरा के अनुसार सुहागन की मौत पर उसके मुंह में सोने का पान या सोने का टुकड़ा रखा जाता है. इसी वजह से श्रीदेवी के मुंह में भी सोने का टुकड़ा रखा गया था.

बेटी जान्हवी की डेब्यू फिल्म नहीं देख पाईं श्रीदेवी

जिस साल श्रीदेवी का निधन हुआ उसी साल उनकी बड़ी बेटी जान्हवी कपूर ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपनी शुरुआत की थी. जान्हवी अपनी मां के बेहद करीब थीं. जान्हवी ने फिल्म 'धड़क' से डेब्यू किया था. इसकी शूटिंग के दौरान श्रीदेवी हर समय अपनी बेटी के साथ मौजूद रहती थीं. लेकिन वो बेटी का डेब्यू नहीं देख पाईं.श्रीदेवी ने फरवरी 2018 में दुनिया को अलविदा कह दिया था. जबकि जान्हवी की डेब्यू फिल्म जुलाई 2018 में रिलीज हुई थी. इसमें उनके साथ ईशान खट्टर अहम रोल में नजर आए थे. अब श्रीदेवी की छोटी बेटी खुशी कपूर भी इंडस्ट्री में अपने कदम रख चुकी हैं. खुशी ने साल 2023 की बॉलीवुड फिल्म 'द आर्चीज' से डेब्यू किया था. इसका डायरेक्शन जोया अख्तर ने किया था.

'इतना दर्द था कि नजर नहीं...' जिया खान केस के बाद कैसा था सूरज पंचोली की फैमिली का हाल, एक्टर ने बताया

बॉलीवुड एक्टर सूरज पंचोली जितना अपनी फिल्मों को लेकर फेमस नहीं होते, उससे कहीं ज्यादा उनका नाम कंट्रोवर्सी में हाइलाइट होता है. सूरज इन दिनों अपनी फिल्में केसरी वीर को लेकर चर्चा में हैं. उन्होंने इस फिल्म से लंबे वक्त बाद अपना कमबैक किया है. फिल्म को लेकर लोगों की मिक्सड राय है.

एक्टर सूरज पंचोली की जिंदगी की सबसे बड़ी कंट्रोवर्सी एक्ट्रेस जिया खान के केस में सामने आया उनका नाम थी. इस केस ने बॉलीवुड में आने से पहले ही सूरज का करियर लगभग खत्म कर दिया. जिया की मौत ने किस तरह उनकी जिंदगी बदली, इस बारे में सूरज अब खुलकर अपनी बात रखते हैं. हाल ही में उन्होंने बताया कि मुश्किल दौर में कैसे उनके परिवार ने उनका साथ दिया.

इतना दर्द था, नजर नहीं मिला पाते थे

सूरज केसरी वीर के प्रमोशंस में बिजी हैं. इसी बीच अपने पास्ट पर बात करते हुए सूरज ने कहा कि फैमिली उनका कितना बड़ा सपोर्ट सिस्टम रही है. उन्होंने कहा कि जिया खान केस के वक्त उनके पिता आदित्य पंचोली, ने कैसे उन्हें सपोर्ट किया. उन्होंने बताया कि उस दौर में वो अपनी फैमिली से आंखें नहीं मिला पाते थे. उनका परिवार इतने दर्द में था, कि एक दूसरे को देखना मुश्किल हो जाता था. स्क्रीन के साथ हालिया बातीचत में सूरज ने कहा- मेरी फैमिली के साथ मेरी इक्युएशन अब पहले से काफी बेहतर है. एक वक्त था कि हम एक दूसरे की तरफ नहीं देख पा रहे थे, क्योंकि हमारी आंखों में इतना दर्द था, पर अब सब ठीक है.

पिता से कैसे हैं सूरज के रिश्ते

पिता आदित्य के साथ अपने बॉन्ड पर सूरज ने कहा कि वो दोनों इस हादसे से पहले इतना क्लोज नहीं थे, लेकिन इस हादसे के बाद से दोनों के बीच एक अजीब सा बॉन्ड बन गया और वो आज भी कायम है. उन्होंने कहा कि आदित्य उनके और उनकी बहन के सबसे बड़े सपोर्ट सिस्टम हैं. करियर की बात पर सूरज ने कहा कि वो अजय देवगन से काफी इन्सपायर्ड हैं और उन्हीं की राह पर चलना चाहते हैं.

ईद उल-अजहा का चांद आज नजर आया, 7 जून को देशभर में मनाई जाएगी बकरीद

नई दिल्ली
मुसलमानों के दूसरे बड़े त्योहार ईद उल-अजहा (बकरीद) का चांद आज नजर आ गया है। देश भर की सभी रूयत-ए-हिलाल कमेटियों ने भारत में 7 जून को ईद-उल-अजहा मनाए जाने की अपील की है। गुरुवार को ईद-उल-अजहा की पहली तारीख होगी। ईद-उल-अजहा चांद की 10 तारीख को मनाया जाता है। जामा मस्जिद के शाही इमाम सैयद अहमद बुखारी ने बताया कि आज मगरिब की नमाज के बाद जामा मस्जिद की मर्कजी रूयत-ए-हिलाल कमेटी की मीटिंग हुई जिसमें ईद उल अजहा के चांद के निकलने की तस्दीक की गई। देश के अन्य भागों से भी चांद के निकलने की तस्दीक होने के बाद जामा मस्जिद से ईद उल अजहा 7 जून को मनाए जाने का ऐलान किया गया है। उन्होंने बताया कि कल यानी गुरुवार के दिन ईद उल अजहा की पहली तारीख होगी। शाही मस्जिद फतेहपुरी के इमाम डॉ मुफ्ती मुकर्रम अहमद ने भी ईद उल अजहा के चांद के निकलने की घोषणा करते हुए 7 जून को देश भर के मुसलमान से ईद उल अजहा मनाए जाने की अपील की है। अमारत ए शरीया हिंद ने भी ईद उल-अजहा के चांद निकलने की घोषणा की है। जमीअत उलमा-ए-हिंद मुख्यालय में होने वाली मीटिंग में दिल्ली सहित देश भर के अन्य भागों में चांद निकलने की सूचना मिलने के बाद ईद उल अजहा के चांद निकलने की घोषणा की गई है।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली
घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने के भाव में गिरावट का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 600 रुपये से लेकर 650 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। भाव में कमजोरी आने के कारण आज देश के ज्यादातर सराफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 97,480 रुपये से लेकर 97,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 89,350 रुपये से लेकर 89,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने का कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सराफा बाजार में आज भी एक लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

"हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान" कार्यक्रम में श्रीकांत वर्मा को श्रद्धांजलि

दिव्य दिल्ली : भारत के संवैधानिक मूल्यों और राष्ट्रीय स्वाभिमान को समर्पित कार्यक्रम "हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान" का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रमुख साहित्यकार स्वर्गीय श्रीकांत वर्मा जी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई, जिनका साहित्य भारतीय समाज के विचारों और संवेदनाओं का प्रतिबिंब रहा है।कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा राज्य के कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह जी ने की। उनके साथ शिवसेना के चीफ नेशनल कॉर्डिनेटर श्री अभिषेक वर्मा, एनसीपी (यूथ विंग) के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री धीरज शर्मा, एवं ब्राह्मण ऑगेनाईजेशन ऑफ इंडिया के चेयरमैन श्री सुखबीर शर्मा भी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसके बाद वक्ताओं ने भारतीय संविधान की विशेषताओं और इसकी प्रासंगिकता पर विचार व्यक्त किए। आयोजकों ने स्वर्गीय श्रीकांत वर्मा जी के साहित्यिक योगदान को याद करते हुए उनके काव्य और लेखन पर चर्चा की। उनकी रचनाएँ भारतीय लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और स्वतंत्रता की भावना को व्यक्त करती हैं।मुख्य अतिथियों ने संविधान को भारतीय समाज का आधार बताते हुए इसके महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि एक जीवनदर्शन है, जो सभी नागरिकों को समान अधिकार और अवसर प्रदान करता है।साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में स्वर्गीय श्रीकांत वर्मा के योगदान को रेखांकित करते हुए, वक्ताओं ने उनकी कविताओं और लेखों का पाठ किया। शिक्षाविदों, साहित्यकारों, छात्रों और विभिन्न सामाजिक कार्यकताओं ने भाग लिया। सभी ने इस आयोजन को संविधान की महत्ता और साहित्यिक धरोहर को संजोने का एक महत्वपूर्ण प्रयास बताया।कार्यक्रम का समापन राष्ट्र के प्रति समर्पण और एकता के संकल्प के साथ हुआ। राजनीति की पाठशाला के संस्थापक डॉ. अजय पाण्डेय ने इसे हर वर्ष आयोजित करने का संकल्प लिया, ताकि संविधान और साहित्य के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'प्रगति' बैठक की अध्यक्षता की

नई दिल्ली
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को 'प्रगति' बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान, प्रधानमंत्री ने तीन प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं की समीक्षा की, जिनकी कुल लागत 62,000 करोड़ रुपये से अधिक है। प्रधानमंत्री ने इन परियोजनाओं के रणनीतिक महत्व पर जोर दिया और समय पर पूरा करने के लिए सभी प्रयासों को एकजुट करने की आवश्यकता की बात कही। उन्होंने परियोजना में देरी के प्रतिकूल प्रभावों को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इससे न केवल लागत बढ़ती है, बल्कि नागरिकों को आवश्यक सेवाओं और अवसंरचना से वंचित भी किया जाता है। इसके अलावा, उन्होंने रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (रेरा) से जुड़े जन शिकायतों की समीक्षा की। उन्होंने सभी पात्र रियल एस्टेट परियोजनाओं का अनिवार्य पंजीकरण सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकारों को निर्देशित किया।

पंजाबी कलाकार विम्मी ने किया "Mr, Miss & Mrs Gabru and Mutiyar Season 2" का भव्य ग्रैंड फिनाले

दिव्य दिल्ली : "Mr, Miss & Mrs Gabru and Mutiyar Season 2" का भव्य ग्रैंड फिनाले केशवपुर मंडी स्थित **Embrace Hotel** में बड़े ही शानदार अंदाज में किया गया। इस खास आयोजन का संचालन जानी-मानी पंजाबी कलाकार और डायरेक्टर विम्मी श.ङ ने किया, जो इससे पहले भी कई सफल इवेंट्स का सफलतापूर्वक नेतृत्व कर चुकी हैं। यह शो देशभर के उभरते टैलेंट को एक ऐसा मंच देने के लिए आयोजित किया गया, जहां वे अपनी सुंदरता, आत्मविश्वास और बहुआयामी प्रतिभा को सबके सामने प्रस्तुत कर सकें।कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई पंजाबी इंडस्ट्री के लोकप्रिय कलाकार कुलराज फतेह और बल्लू रामगढ़िए ने, जिनकी प्रस्तुतियों ने दर्शकों का दिल जीत लिया। इस अवसर पर डॉ. नरेश बंसल, करमजीत सिंह और जसबीर सिंह जैसे गणमान्य अतिथि भी मौजूद रहे, जिनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को और ऊंचा किया। प्रतिभागी मॉडल्स ने न केवल स्टाइलिश रैंप वॉक के जरिए अपनी प्रतिभा दिखाई, बल्कि अपने आत्मविश्वास और कला के दम पर दर्शकों को पूरी तरह मंत्रमुग्ध कर दिया। शो की एक विशेष बात यह रही कि डायरेक्टर विम्मी श.ङ ने भी मॉडल्स के साथ रैंप वॉक कर उनका मनोबल बढ़ाया और आयोजन को एक नई ऊंचाई दी।

इस सीजन का सबसे भावनात्मक और प्रेरणादायक पल वह था, जब वृद्धाश्रम से आए बुजुर्गों को मंच पर आमंत्रित कर उनका सम्मान किया गया, जिससे इस आयोजन को एक सामाजिक सरोकार भी मिला।समापन पर विजेताओं को विजेता, प्रथम उपविजेता और द्वितीय उपविजेता के रूप में सम्मानित किया गया। साथ ही सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र और अवॉर्ड प्रदान किए गए।

साकेत गोखले हाई कोर्ट के आदेश का पालन करें या जेल जाने के लिए तैयार रहें

नई दिल्ली
संयुक्त राष्ट्र की पूर्व सहायक महासचिव लक्ष्मी पुरी के खिलाफ किए गए अपमानजनक ट्वीट्स मामले में तृणमूल कांग्रेस के सांसद साकेत गोखले की ओर से सार्वजनिक माफी नहीं मांगने पर दिल्ली हाई कोर्ट ने कड़ा एतराज जताया है। जस्टिस मनमीत प्रीतम अरोड़ा की बेंच ने कहा कि अगर साकेत गोखले सार्वजनिक माफी नहीं मांगते हैं तो जेल भी भेजा जा सकता है। हाई कोर्ट ने 1 जुलाई 2024 को अपने आदेश में साकेत गोखले पर जुमार्ना लगाने के साथ एक अंग्रेजी अखबार टाइम्स ऑफ इंडिया में इस संबंध में अपना माफीनामा छापने को भी कहा था। गोखले ने ट्वीट में आरोप लगाया था कि पुरी ने केंद्र सरकार की सैलरी से कुछ खरीदा है जिसे वह जानना चाहते हैं। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि इस मामले में हाई कोर्ट ने फैसला दिया है कि साकेत गोखले को अपने ट्वीट्स को लेकर सार्वजनिक माफी मांगनी होगी लेकिन वे कोर्ट के आदेश का पालन नहीं कर रहे हैं। या तो साकेत गोखले कोर्ट के आदेश का पालन करें या जेल जाने के लिए तैयार रहें। इसके पहले 2 मई को कोर्ट ने साकेत गोखले पर लगाए गये 50 लाख रुपये के जुमार्ने और सोशल मीडिया पर माफी मांगने के आदेश को वापस लेने की अर्जी खारिज कर दी थी। कोर्ट ने कहा था कि साकेत गोखले को जुमार्ना भरना होगा। इसके पहले हाई कोर्ट ने 24 अप्रैल को साकेत गोखले पर लगाए गये 50 लाख रुपये के जुमार्ने की रकम उनकी सैलरी से वसूलने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा था कि साकेत गोखले की सांसद के रुप में मिल रही सैलरी से हर महीने एक लाख 90 हजार रुपये कोर्ट में तब तक जमा होंगे, जब तक 50 लाख रुपये वसूल नहीं लिए जाते। हाई कोर्ट ने 1 जुलाई, 2024 के अपने आदेश में साकेत गोखले को निर्देश दिया था कि अपमानजनक ट्वीट्स के मामले में लक्ष्मी पुरी को 50 लाख रुपये का जुर्माना दें।

हाई कोर्ट ने मध्य प्रदेश के पत्रकार को सुरक्षा देने का दिया आदेश

नई दिल्ली
दिल्ली हाई कोर्ट ने मध्यप्रदेश के एक पत्रकार को भिंड के एसपी दफ्तर में नंगा कर पीटने के मामले में सुरक्षा दी है। जस्टिस रविंद्र डूडेजा की बेंच ने दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया कि पत्रकार को कम से कम दो महीने सुरक्षा प्रदान करें। याचिका में कहा गया है कि चंबल नदी में अवैध बालू खनन की रिपोटिंग को लेकर पत्रकार से भिंड के एसपी नाखुश थे। इस कारण एसपी की ओर से उन्हें और उनके परिवार को लगातार धमकियां दी जा रही थीं।
भिंड में एक न्यूज चैनल के ब्यूरो चीफ अमरकांत सिंह चौहान ने याचिका दायर कर भिंड के एसपी असित यादव से अपने और परिवार के सदस्यों को बचाने की मांग

की है। सुनवाई के दौरान अमरकांत सिंह चौहान ने कहा कि चंबल नदी में अवैध रुप से बालू खनन की रिपोटिंग से भिंड के एसपी नाखुश थे। अवैध बालू खनन स्थानीय पुलिस की मिलीभगत से चलाया जा रहा था। एसपी के डर से अमरकांत सिंह चौहान भिंड से भागकर दिल्ली आ गये थे। दिल्ली आने के बावजूद एसपी की ओर उन्हें धमकियां दी जा रही थीं। सुनवाई के दौरान अमरकांत सिंह चौहान की ओर से पेश वकील वरीसा फरासत ने कहा कि दिल्ली हाई कोर्ट इस मामले में मध्यप्रदेश पुलिस से स्टेटस रिपोर्ट मांगे। तब कोर्ट ने कहा कि इसके लिए दिल्ली हाई कोर्ट की बजाय मध्यप्रदेश हाई कोर्ट उचित फोरम है। तब फरासत ने कहा कि वे स्टेटस रिपोर्ट की मांग पर जोर नहीं दे रहे हैं लेकिन याचिकाकर्ता को दिल्ली में सुरक्षा दी जाए क्योंकि उनके और उनके परिवार के सदस्यों को जान का खतरा है।याचिका में कहा गया है कि अमरकांत सिंह चौहान और दूसरे पत्रकार शशिकांत जाटव को 1 मई को भिंड एसपी ने चाय पीने के लिए अपने चैंबर में बुलाया। वहां एसपी असित यादव और उनके अधीनस्थों ने उनकी जमकर पिटाई की। इस दौरान करीब आधे दर्जन पत्रकार एसपी दफ्तर में मौजूद थे। उन पत्रकारों को भी नंगा कर पिटाई की गई थी। 4 मई को चौहान और जाटव जब सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया से मिलकर अपना दुखड़ा बताने ग्वालियर से दिल्ली आ रहे थे तो उन्हें एक दूसरे पत्रकार सौरभ शर्मा ने दिल्ली सड़क मार्ग से चलने के लिए कहा। लेकिन उन्हें नजदीक एक ढाबा में ले जाया गया जहां कुछ पुलिस अधिकारी पहले से इंतजार कर रहे थे। वे पुलिस अधिकारी उन्हें भिंड के एसपी के आवास पर समझौते के लिए ले गए। दोनों पत्रकारों को दोबारा 5 मई को एसपी दफ्तर बुलाया गया जहां उन्हें पुलिस अधिकारियों के समक्ष एक वीडियो बयान जारी करने के लिए मजबूर किया गया कि उन्होंने एसपी से समझौता कर लिया है। इस वीडियो बयान को भिंड पुलिस ने व्हाट्सऐप के जरिये सकुर्लेट कर दिया ताकि उनकी विश्वसनीयता खत्म हो जाए।

दिल्ली पुलिस में बड़ा फेरबदल, 38 आईपीएस और दानिक्स अधिकारियों का हुआ ट्रांसफर

नई दिल्ली
राजधानी दिल्ली में ट्रांसफर-पोस्टिंग का सिलसिला जारी है। इस बार दिल्ली पुलिस में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 38 आईपीएस और दानिक्स अधिकारियों का ट्रांसफर किया है। यह आदेश 28 मई को जारी हुआ, जिसके तहत कई जिलों के डीसीपी बदले गए हैं तो कई अधिकारियों को पहली बार पोस्टिंग दी गई है। ट्रांसफर लिस्ट के अनुसार, अमित गोयल जो अब तक डीसीपी रोहिणी थे, उन्हें अब दक्षिण-पश्चिम जिला भेजा गया है। कुशल पाल सिंह को ट्रैफिक से मेट्रो का डीसीपी बनाया है।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397